मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 290
मंगलवार, 13 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत के हमले से आतंक की इमारतें ही नहीं, उनका हौसला भी थर्रा गया: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी ने पिछले कुछ दिनों में देश की क्षमता और धैर्य को देखा है। मैं सशस्त्र बलों, सेना, खुफिया एजेंसी और वैज्ञानिकों को सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को आज हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई, उसने देश और दुनिया को हिलाकर रख दिया है। जो निर्दोष लोग छुट्टी मना रहे थे, उन्हें उनके परिवारों के सामने, उनका धर्म पूछकर मार दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए भारतीय सेना को पूरी आजादी दी है और आज हर आतंकवादी, हर आतंकवादी संगठन जानता है कि 'हमारी बहनें, बेटियों के माथे से सिन्दूर हटाने का अंजाम क्या होता है'। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला आतंकवाद का सबसे बर्बर चेहरा था; यह मेरे लिए व्यक्तिगत पीड़ा थी। हमने

सशस्त्र बलों को आतंकवादियों को मिट्टी मिलाने की पूरी छूट दी।

मोदी ने कहा कि इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर समाज, हर वर्ग, हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए देश की सेनाओं को खुली छूट दे दी। आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर हमला किया। आतंकवादियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत इतना बड़ा कदम उठाएगा। जब भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पाकिस्तान में उन स्थलों पर हमला किया, तो न केवल आतंकवादियों की इमारतें नष्ट हुईं, बल्कि उनके साहस को भी कुचला गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर, न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है।

महाराष्ट्र सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय करेगी : फडणवीस

मुंबई, 12 मई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करेगी और उनके साथ मिलकर काम करेगी। वह भारत-पाकिस्तान संघर्ष के मद्देनजर सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य प्रमुख एजेंसियों के प्रतिनिधियों की राज्य सरकार के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। एक बयान में कहा गया कि यह बैठक खुफिया आंकड़ों के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग और एहतियाती कदम उठाने से संबंधित थी। इसमें कहा गया कि बैठक में सुरक्षा एजेंसियों और सरकार के बीच सहयोग के लिए समन्वय तंत्र स्थापित करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि

सशस्त्र बलों ने जिस ताकत और सटीकता के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया वह बेजोड़ था। उन्होंने कहा, मैं सशस्त्र बलों को सलाम करता हूं। मुंबई अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य की वित्तीय राजधानी है। खुफिया जानकारी साझा करना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है। महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा क्षेत्र के लिए भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पवन चड्ढा, नौसेना के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग (महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र-एफओएमए) रियर एडमिरल अनिल जग्गी, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एयर वाइस मार्शल रजत मोहन, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी), बीएसई, आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस), होम गार्ड्स के प्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित थे। बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार, महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य संबंधित लोग भी शामिल हुए।

विजयन ने वायनाड के भूस्खलन पीड़ितों के समय पर पुनर्वास का आश्वासन दिया

केरल, 12 मई। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वायनाड में भूस्खलन से बचे लोगों के लिए पुनर्वास पहल को समय पर पूरा करने का सोमवार को आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, विजयन ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित लोगों के आवास का मासिक किराया तत्काल प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

यह निर्देश वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला बस्तियों के बचे लोगों के लिए प्रस्तावित टाउनशिप पर निर्माण कार्य की प्रगति का आकलन करने के लिए आयोजित एक बैठक के दौरान जारी किया गया। पिछले साल भूस्खलन से इन क्षेत्रों

में भारी तबाही मची थी। बयान में कहा गया है कि टाउनशिप के निर्माण के लिए प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने को लेकर समयसीमा तय की गई है। बैठक के बाद विजयन के हवाले से बयान में कहा गया, मुंडक्कई और चूरलमाला में भूस्खलन से प्रभावित लोगों का पुनर्वास समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

बैठक के दौरान, विजयन ने अधिकारियों को पेड़ों की कटाई, बिजली वितरण प्रणालियों के पुनर्गठन और अन्य संबंधित कार्यों से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने का भी निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि विजयन ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से सहायता उपलब्ध कराने, अधिकारियों की तैनाती करने तथा जल प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए जलाशयों से मलबा हटाने के संबंध में कदम उठाने में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएमओ के बयान में कहा गया है कि बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट मंत्री के राजन और के एन बालगोपाल, मुख्य सचिव ए जयतिलक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

योगी की अफसरों को दो टूक : वाराणसी में घटित होने वाली घटनाओं पर लें क्विक एक्शन

- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर ध्यान दिए जाने पर रहा मुख्यमंत्री का का खास जोर
- कहा, गौ तस्करों पर हो त्वरित कड़ी कार्रवाई
- निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का हर हाल में हो पालन

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं की प्रगति एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अफसरों से दो टूक कहा, वाराणसी में घटित होने वाली घटनाओं पर लें तत्काल एक्शन। इसके अलावा वाराणसी जोन के सीमावर्ती जिलों में गौ तस्करी, खनन आदि गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने गौ तस्करों एवं उनके संपर्क सूत्रों पर और तेजी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए उनके जब्त वाहनों को नियमानुसार नीलामी कराने की बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गतिमान विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परियोजनाओं के निर्माण कार्य के

दौरान सुरक्षा मानकों को हर हालत में सुनिश्चित कराए जाने पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जिले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पर ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने अर्बन नक्सल एवं उनसे जुड़े संगठनों पर सतर्क निगरानी रखने एवं कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल न्याय मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

अधिकारी प्रतिदिन जनसुनवाई करते हुए समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें। उन्होंने कहा कि जन्म-मृत्यु आदि प्रमाण पत्रों के लिए किसी को अनावश्यक भटकना न पड़े। निर्धारित अवधि में इसका निस्तारण सुनिश्चित कराएं। लूट, चैन स्नैचिंग आदि की घटनाओं पर पुलिस सख्ती से रोक लगाए।

उन्होंने कहा कि निमार्णाधीन विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा नामित नोडल अधिकारियों से कार्य के प्रगति एवं गुणवत्ता की मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं। समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, यूपीपीसीएल, पीडब्ल्यूडी, जलनिगम शहरी एवं ग्रामीण, सेतु निगम को कार्य पद्धति ठीक करने और तेजी से गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूरा करने, वरुणा नदी के पुनरोद्धार कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने, कमिश्नरी परिसर में बनने वाले इंटीग्रेटेड मंडलीय कार्यालय के निर्माण कार्य हेतु टेंडर आदि कार्यवाही तेजी से कराए जाने का निर्देश दिया।

बारापुला नाले पर अतिक्रमण हटाना जरूरी, एक जून को कार्रवाई की जाएगी : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, 12 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मानसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए एक जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया है।

उच्च न्यायालय ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने नौ मई को अपने आदेश में कहा, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार से इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है। मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था। अदालत ने कहा कि विशेष रूप से निकटवर्ती मानसून के मौसम को देखते हुए पुनर्वास

अत्यंत आवश्यक है, साथ ही बारापुला नाले की समय पर सफाई आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जलभराव को रोकने के लिए भी जरूरी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली सरकार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 19 से 20 मई तक दो शिविर आयोजित करने का आदेश दिया गया। पीठ ने कहा कि 20 मई से 31 मई के बीच मद्रासी कैंप से सभी सामान हटा दिए जाने चाहिए और एक जून से तोड़फोड़ शुरू होनी चाहिए। अदालत ने अतिक्रमण-रोधी अभियान पर रोक लगाने की मद्रासी कैंप के कई निवासियों की अर्जी का निपटारा किया और कहा कि यह मामला 10 महीने से अधिक समय से उसके संज्ञान में है। मुद्दा नालों पर अवैध अतिक्रमण को लेकर था, जिसके कारण नालियां अवरुद्ध हो रही थीं और नदी प्रदूषित हो रही थी।

संघर्षविराम से पहले सर्वदलीय बैठक, संसद आहूत की जानी चाहिए थी: सिद्धरमैया

कर्नाटक, 12 मई।। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को कहा कि केंद्र को पाकिस्तान के साथ सभी सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी और संसद सत्र आहूत करना चाहिए था।

सिद्धरमैया ने कहा कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ अभियान का पूरा श्रेय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए और किसी को भी इसका राजनीतिक श्रेय नहीं लेना चाहिए।

सिद्धरमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, संघर्षविराम की घोषणा कर दी गई और दोनों देश इस पर सहमति पर पहुंच गए हैं। दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की बातचीत होने वाली है, देखते हैं कि वहां क्या निर्णय होता है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मेरी राय में उन्हें (केंद्र सरकार को) संघर्षविराम से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी। साथ ही संसद भी आहूत करनी चाहिए थी, क्योंकि यह बहुत गंभीर मामला है।

कई लोगों द्वारा 1971 के बांग्लादेश मुक्तिसंग्राम के दौरान दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उनके नेतृत्व और वर्तमान भारत-पाकिस्तान स्थिति के बीच तुलना करने के उद्देश्य से उदाहरण दिए जाने पर उन्होंने कहा, 1971 के बाद से कई वर्ष, लगभग 54 वर्ष बीत चुके हैं, मैं अब इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। संघर्षविराम की घोषणा हो चुकी है, डीजीएमओ बात कर रहे हैं, देखते हैं क्या होता है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करें: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
Medi Assist STAR
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

-ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद ही सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बड़प्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहौर एवं कराची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीतिक एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर कराग पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते ऑपरेशन सिंदूर शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन-सिंदूर की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरूआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की युद्ध योजना का कमाल, चार दिन में ही घुटने टेके पाकिस्तान ने

अशोक भाटिया

भारत और पाकिस्तान के बीच बीते दिनों में सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंक के अड्डों पर सटीक और जबरदस्त प्रहार किए। यह ऑपरेशन 7 मई की सुबह प्रारंभ हुआ और 10 मई तक भारतीय वायुसेना और थलसेना ने पाकिस्तान में कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर व्यापक नुकसान पहुंचाया। अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्षविराम लागू किया गया, जिसने फिलहाल दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच टकराव को टाल दिया है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की युद्ध योजना सटीक थी कि चार दिन में ही घुटने टेक दिए पाकिस्तान ने। हालाँकि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों पर हमला नहीं किया। यह एक युद्ध था और पाकिस्तान युद्ध हार गया। ऐसा पहले भी साढ़े तीन बार हो चुका है, लेकिन अब कहना होगा कि यह ज्यादा प्रभावी और सटीक हमला था। मोदी की सटीक भविष्यवाणियां हैं जिसने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया। वास्तव में, यह युद्ध पारंपरिक अर्थों में नहीं था, बल्कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान को पाकिस्तान के नापाक इरादों को नष्ट करने के इरादे से सिखाया गया एक सबक था। पहलगाम में, पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पर्यटकों पर क्रूर हमले किए और उनमें से कई को उनके कपड़े उतारकर मार डाला। वे नहीं आए और उन्हें गोली मार दी गई। मोदी ने ठान लिया था कि इन आतंकियों को सबक सिखाएंगे और इसे लागू करेंगे। अगर इस जगह नेहरू या कांग्रेस की सरकार होती, तो वह विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला भेज रही होती। लेकिन यह मोदी और नेहरू या कांग्रेस के बीच एक गुणात्मक अंतर है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जानती है कि उसे क्या चाहिए और वह जानती भी है कि उसे क्या चाहिए। नतीजतन मोदी की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। लेकिन यहां मोदी की लोकप्रियता का कोई सवाल ही नहीं था। भारत की निर्दोष बहनों की हत्या का बदला लेना जरूरी था, जिन्होंने अपनी कुंवारी उम्र खो दी थी और मोदी ने यही किया। इसलिए, यह मोदी ही थे जिन्होंने इस ऑपरेशन को सही नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' दिया।

विपक्ष अब भारत को ज्ञान सिखा रहा है कि भारत ने युद्ध क्यों नहीं किया और उसे पाकिस्तान को पूरी तरह से नष्ट कर देना चाहिए था। अगर ऐसा होता, तो वही विपक्ष कहता कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान के लोगों को मार दिया। इसलिए मोदी चुप रहे और उन्होंने अपना बदला भी दिया और महिलाओं को न्याय भी दिया। यह जानते हुए कि पाकिस्तान को पाकिस्तान की किसी भी गलती का शिकार नहीं होना चाहिए, मोदी ने अब पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया है। अगर लोग मारे गए होते, तो पाकिस्तान ने गंभीर शपथ ली होती। यह भौंरा होता। लेकिन अब उसके पास वह मौका नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह किया है। इस बीच मसूद अजहर के परिवार की हत्या कर दी गई है। यह मसूद अजहर वही है जिसने कंधार में विमान अपहरण मामले में भारतीयों को बंधक बनाकर रखा और उनकी सहिष्णुता का अंत देखा। उनके परिवार के नौ सदस्य मारे गए हैं, जबकि एक अन्य आतंकवादी अब्दुल रऊफ भी ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया है। यह युद्ध नहीं था, बल्कि पाकिस्तान को उसकी जबरदस्त आक्रामकता की सजा थी। आतंकवादी शायद यह सबक भूल गए होंगे। अब, यह भारत में कांग्रेस सरकार नहीं है, बल्कि मोदी की भाजपा की सरकार है और यह हमें थोड़ी सी गलती के लिए प्रायश्चित देती है। भारत को पाकिस्तान के युद्धविराम पर भरोसा नहीं है। पाकिस्तान को चेतावनी दी गई है कि अगर पाकिस्तान ने अब से कुछ भी गलत किया तो इसका मतलब होगा कि उसने भारत के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया है।

इससे सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था पहले से ही हो चुकी है। मोदी ने सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था की है। इससे पाकिस्तान के नाक और मुंह में पानी चला गया है, जो पानी की कमी के कारण उसकी खेती को सुखा देगा। और कई आर्थिक उपाय किए गए हैं जो पाकिस्तान के जीवन को मुश्किल बना देंगे। गलत का एहसास करना जरूरी था और मोदी ने यह किया है। भारत ने इस ऑपरेशन में आतंकी कैंपों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया था। यह सफलता बहुत बड़ी है। भारत ने कहीं भी लोगों की रक्षा नहीं की है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने अपने ही लोगों को बचाकर भारतीय सेना पर हमला किया। लेकिन ये सभी हमले विफल रहे। अब पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखा दिया गया है कि वह कुछ सालों तक उससे मुंह नहीं मोड़ पाएगा। न सिर्फ पाकिस्तान की गतिविधियों पर रोक लगेगी, बल्कि भारत अब पहलगाम नरसंहार को अंजाम देने वाले आतंकियों को मारने पर ध्यान देगा। क्योंकि यह भारत का घाव है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी भाग गए हैं। जब तक उन्हें दंडित नहीं किया जाता तब तक भारत का बदला अपर्याप्त होगा। अब पाकिस्तान शांति की शिक्षाओं को याद कर रहा है।

पाकिस्तान के दैनिक 'द डॉन' ने सलाह की खुराक दी है कि युद्ध कैसे गलत है। लेकिन किसने पहले शुरू किया और पाकिस्तान इतने लंबे समय से ऐसा ही कर रहा है। अब पाकिस्तान को भारत से वैसी ही या उससे भी कठोर प्रतिक्रिया मिल रही है। यदि आप शांति चाहते हैं, तो आपको मजबूत होना होगा। कमजोरों की पुकार पर कोई जवाब नहीं देता। भारत ने इसे साबित कर दिया है। हालांकि, पाकिस्तान ने बार-बार साबित किया है कि वह अभी भी नहीं सुधर रहा है। उसने संघर्ष विराम के बाद भी गोलीबारी जारी रखी है। पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र में आ रहा है और कई घरों को नुकसान पहुंचा है। कुछ जगहों पर लोगों की मौत भी हुई है। पाकिस्तान किसी भी सूरत में सुलह की बात नहीं समझता। वह बबार्दी की भाषा समझता है। अगर ऐसा होता है तो भारत अब उसी तरह से जवाब देगा। मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया है, लेकिन अगर पाकिस्तान इसे नहीं समझता है तो पाकिस्तान को व्यापक हमले की बात करनी पड़ेगी। पाकिस्तान का खनन कार्य अभी भी जारी है। अगर वो नहीं रुके तो भारत को आखिरी झटका भुगतना पड़ेगा। ये सच है कि दुनिया का कोई भी देश पाकिस्तान को नहीं बचा सकता।

वैसे, डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे निस्वार्थ राष्ट्रपति हो सकते हैं जब यह अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की बात आती है। ₹उन्हें देखना चाहिए₹ उनके पसंदीदा शब्द हैं। फिर भी उन्होंने रूस और यूक्रेन के साथ-साथ इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम लाने के लिए पर्दे के सामने या पीछे से काम किया। उन्होंने शुरू में कहा था कि दोनों देश संघर्ष विराम की घोषणा से लगभग 48 घंटे पहले ₹इसे जल्द से जल्द हल करेंगे₹। संघर्ष विराम की घोषणा सबसे पहले शनिवार शाम को की गई थी। असली अर्थ यह है कि वह पहली जगह में यह घोषणा कर रहा है। ट्रम्प के सभी कार्यों में नाटक है, जो यहां भी स्पष्ट था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति वेंस युद्धविराम के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों, राज्य सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ निकट संपर्क में थे। सीएनएन और कई चैनलों ने बताया है कि उन्होंने अभी तक इनकार नहीं किया है कि उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गई है। ट्रंप परिणाम का श्रेय लेना चाहते थे। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि हमने उन्हें इसे लेने क्यों दिया। इजरायल-हमास, रूस-यूक्रेन संघर्ष अभी भी उग्र है। कम से कम भारत-पाकिस्तान के पहले कुछ घंटों में, संघर्ष विराम शाम 5 बजे से लागू हो गया, हमने शाम 6 बजे एक घोषणा की, लेकिन 7 बजे से हमारे पास जम्मू-काशीर और फिर पंजाब, राजस्थान, गुजरात के आसमान में पाकिस्तानी ड्रोन फिर से दिखाई दिए। जम्मू-कश्मीर बॉर्डर से भी पाकिस्तानी फायरिंग शुरू हो गई। हमें इस बात पर संदेह है कि क्या पाकिस्तान युद्धविराम के बारे में वास्तव में गंभीर है, और इस सभी भ्रम की व्याख्या करने से पहले, युद्धविराम पर भारत और पाकिस्तान की स्थिति की जांच करना आवश्यक है।

भारत ने इसे उस तरह से नहीं किया है जिस तरह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रशंसा की है। शनिवार दोपहर, पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने भारत के सैन्य संचालन महानिदेशक से संपर्क किया और संघर्ष विराम की पेशकश स्वीकार कर ली। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि युद्धविराम पर अगली चर्चा हो रही है। जब तक कोई ठोस फैसला नहीं होता तब तक हमारे सशस्त्र बल संघर्ष की स्थिति में जितना आवश्यक होगा उतना तैयार होंगे। भारत के लिए ऐसा कहना महत्वपूर्ण है। घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान से जो हुआ उससे इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह कितना प्रासंगिक था। भारत ने 7 मई को भोर से पहले ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 8 और 9 मई की दरम्यानी रात को पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे थे। भारत के साथ संघर्ष विराम पर सहमत होने के बावजूद संघर्ष विराम का उल्लंघन पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार स्थिति टकराव और पाकिस्तान के लिए खतरनाक होती जा रही थी। इसके अलावा, इस बार अमेरिका ने हस्तक्षेप किया और पाकिस्तान सरकार- प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री द्वारा स्वागत किया गया। हो सकता है कि सोमवार तड़के या बाद में पाकिस्तान की ओर से और आक्रामकता न हुई हो, लेकिन सवाल यह है कि अगर पाकिस्तान ने युद्धविराम की पेशकश की है, तो क्या हमने इसे स्वीकार कर लिया है? यदि हां, तो यह आश्चर्य की बात नहीं है कि दोनों देशों के बीच आखिरी लंबा संघर्ष 1999 में कारगिल के दौरान हुआ था; उस समय अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर दबाव बनाया था। यह सच है कि भारतीय सेना और वायु सेना ने कारगिल और आसपास के बहुत उबड़-खाबड़ द्वीपों में प्रदर्शन करके लंबे संघर्ष के बाद पाकिस्तान पर दांव को उलट दिया। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमेरिकी दबाव के बिना, पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ तब तक बने रहते जब तक कि भारत का क्रूर युद्ध नहीं छिड़ जाता। शहबाज शरीफ आज पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं। आसिम मुनीर पाकिस्तान सेना के इंचार्ज हैं। इस युद्धविराम ने उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण हुई निरर्थकता को मिटाने का अवसर दिया। इसके अलावा, 'इस्लामिक परमाणु बम' की मुट्ठी ढकी हुई थी। इस तथ्य के बावजूद कि ट्रम्प संघर्ष को समाप्त करने के बारे में पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों की तरह गंभीर नहीं थे, मुनीर ने उन्हें गले लगा लिया। हमने इसे स्वीकार कर लिया। जिस तरह उन्हें अपनी छवि बचाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखने की जरूरत थी, उसी तरह हमारे राजनेताओं के लिए पाकिस्तान को 'सीधा' करना जरूरी था। हम भी ऐसे कदम उठा रहे थे।

नारद जयंती: पत्रकारिता के आदर्शों की पुनर्स्थापना का पर्व

सुरेश गांधी

हाथों में वीणा लिए जब कोई नारायण-नारायण के शब्द निकालता है तो तुरंत ही देवर्षि नारद की छवि लोगों के मन में उभर आती है. वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करते हुए एक लोक के समाचार दूसरे लोक में पहुंचाते थे, इसीलिए नारद जी को आदि पत्रकार भी कहा जाता है. प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा के दिन 14 मई को उनकी जयंती मनाई जायेगी। शास्त्रों की मानें तो देवर्षि नारद जी को ब्रह्मा जी के सात मानस पुत्रों में से एक माना गया है। वह जगत के पालनहार भगवान विष्णु के परम भक्त थे। उनको तीनों लोकों में वायु मार्ग के द्वारा आने जाने का वरदान मिला हुआ था। इसलिए वह विष्णु जी की महिमा का बखान तीन लोकों में किया करते थे। इसी कारण उन्हें तीनों लोकों को खबर रहती थी। यही वजह है कि उन्हें सृष्टि का पहला पत्रकार भी माना जाता है। उन्होंने कठिन तपस्या के द्वारा ब्रह्मर्षि पद प्राप्त किया था। वे न केवल देवताओं और असुरों के बीच संवाद स्थापित करते थे, बल्कि तीनों लोकों में घूमकर सूचना के आदान-प्रदान का कार्य करते थे। इसीलिए उन्हें ब्रह्मांड का संदेशवाहक भी कहा जाता है. उनका उद्देश्य केवल समाचार देना नहीं था, बल्कि सत्य को उजागर कर समाज में संतुलन और चेतना बनाए रखना था। नारद जयंती केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि पत्रकारिता के धर्म की स्मृति है। अगर पत्रकार नारद मुनि के आदर्शों को अपनाएं, तो वे समाज को न केवल सूचित करेंगे, बल्कि जागृत और सशक्त भी बनाएंगे। कहते है इस दिन आप अगर दान-पुण्य करते हैं तो आपको इसका विशेष लाभ आपको प्राप्त होगा. माना जाता है इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना फलदायी होता है. साथ ही इस दिन जरूरतमंदों को दान-दक्षिणा भी करना चाहिए, इसे इससे जीवन में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है. मान्यता है कि नारद जयंती के दिन देवर्षि नारद जी आराधना करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और जीवन सदैव सुखमय रहता है। मान्यता है कि नारद जयंती पर भगवान नारद की पूजा करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं चेतना प्रवाहह्ल के प्रबंध संपादक एवं ह्लप्रांत जागरण पत्रिका, प्रमुखह्ल नागेन्द्र द्विवेदी ने नारद जयंजी की पूर्व संध्या पर सीनियर पत्रकार सुरेश गांधी से बातचीत के दौरान वर्तमान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में कहा कि पत्रकार का काम केवल समाचार देना नहीं, बल्कि लोकमत का निर्माण भी करना है। सत्ता से सवाल पूछना और जनता की समस्याओं को उजागर करना पत्रकारों की नैतिक जिम्मेदारी है। जब समाज में अज्ञान, अराजकता और अन्याय फैलता है, तब पत्रकार की कलम मशाल बनकर सच्चाई का रास्ता दिखाती है। नारद जयंती हमें यह अवसर देती है कि हम पत्रकारिता के मूल मूल्यों पर विचार करें - सत्य, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर गहन मंत्रणा करें। इस दिन पत्रकारों को न केवल अपने कार्यों की समीक्षा करनी चाहिए, बल्कि यह भी संकल्प लेना चाहिए कि वे सूचना को एक सशक्त औजार के रूप में समाज के कल्याण के लिए प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आज जब सूचना का संसार चैबीसों घंटे सक्रिय है, तब पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। आज के संदर्भ में यदि हम पत्रकारों की भूमिका की बात करें, तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण हो गई है। पत्रकार केवल समाचार देने वाला नहीं, बल्कि समाज का दिशा निर्देशक, जनता की आवाज, और लोकतंत्र का प्रहरी होता है। पत्रकार का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि जागरूकता फैलाना और सत्य की खोज करना भी है। सही अर्थों में पत्रकार ही वह सेतु है, जो जनता और सत्ता के बीच संवाद स्थापित करता है। परंतु साथ ही यह भी स्वीकार करना होगा कि आज पत्रकारिता कई चुनौतियों से घिरी हुई है. फेक न्यूज, पेड न्यूज, टीआरपी की होड़, और कई बार सच्चाई को दबाने का दबाव। ऐसे में देवर्षि नारद का आदर्श हमें यह सिखाता है कि संवाद का आधार सत्य, निष्पक्षता और लोकहित होना चाहिए।

नागेन्द्रजी ने कहा, आज नारद जयंती के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम पत्रकारिता को केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि धर्म, सेवा और सत्य के प्रचार का माध्यम बनाएंगे। हम बिना भय के, बिना पक्षपात के, समाज को सच्चाई से अवगत कराते रहेंगे। पत्रकारिता का धर्म वही है, जो नारद मुनि का था. निडर संवाद, सत्य का संचार और समाज का जागरण। यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी देवर्षि नारद को। उनकी संवाद शैली में तथ्य, स्पष्टता, और उद्देश्यपरकता प्रमुख थी। नारद जयंती पत्रकारों को रचनात्मक आलोचना और समाज के कल्याण हेतु संवाद करने की प्रेरणा मिलती है। नारद जयंती पर इन चुनौतियों पर मंथन कर पत्रकारिता को सत्य, सेवा और समाज के मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है। पत्रकारों को चाहिए कि वे बिना किसी भय या पक्षपात के, निर्भीक और सत्य पर आधारित पत्रकारिता करें। नागेन्द्रजी ने कहा, देवर्षि नारद जी आद्य पत्रकार थे, नारायण-नारायण का जाप करते थे, लेकिन उन्होंने कभी अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया,. देवर्षि नारद जी वैश्विक पत्रकार थे। नारायण नारायण उनकी टेग लाइन थी। हमे संचार का निर्वहन और वाणी का संयम नारद जी ने सीखना चाहिए। नारद भक्ति सूत्र से सीखने की जरूरत है। अफसोस है कि आज के पत्रकार खबरों में खुद पार्टी बन जाते हैं। इससे पत्रकारिता दूषित हो गई है। जबकि नारद ने कभी सत्य से समझौता नहीं किया। पत्रकारों की ताकत पाठकों का भरोसा है।

नागेन्द्रजी ने कहा, देश-काल-परिस्थिति और समाज के प्रति सकारात्मक भाव रखते हुए सत्यनिष्ठ उत्तरदायित्वपूर्ण पत्रकारिता आज कह की जरूरत है। देवर्षि नारद मूलतः त्रिलोक के पत्रकार थे। वे लोकहित में कार्य करते थे। मौजूदा दौर की अनेक चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प शक्ति से इस पेशे में हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर जुटे रहें, यही आज की आवश्यकता है। तटस्थ होकर सत्य के साथ खड़े रहना ही पत्रकारिता का मूल मंत्र है। पत्रकार बनना आसान है पर बने रहना मुश्किल हैं। एक उदाहरण देकर उन्होंने कहाकि, ह्लजूते के अंदर का कंकड़ह्ल ही पत्रकारों की चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डॉक्टर व्यक्ति के जीवन की रक्षा करता है, उसी तरह से पत्रकार समाज को नया रूप देता है। उन्होंने पत्रकारों से देश को सही दिशा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की अनेक समस्याओं के निराकरण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने काम को करते हुए पत्रकारों के सामने कई कठिन परिस्थितियां आती हैं, लेकिन कलम के सिपाही अपने कर्तव्य पथ से कभी विमुख नहीं होते। विश्व के प्रथम पत्रकार नारद जी रहे। वह लोक मंगल की कामना को लेकर चले थे। आज के दौर में भी पत्रकारों को लोक मंगल की कामना को लेकर चलना चाहिए।

हर वर्ष मनाई जाने वाली नारद जयंती न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि पत्रकारिता जगत के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत भी है। देवर्षि नारद को भारतीय परंपरा में प्रथम संवाददाता के रूप में जाना जाता है। वे ज्ञान, सूचना और संवाद के वाहक थे, जो तीनों लोकों में भ्रमण कर सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे। नारद मुनि की विशेषता थी कि वे कभी भी अपने संवादों में पक्षपात नहीं करते थे। वे जो देखते, वही कहते और समाज के कल्याण के उद्देश्य से संवाद करते। उनका उद्देश्य कभी अफवाह फैलाना नहीं था, बल्कि समाज को जागरूक करना, सोई हुई चेतना को जगाना और विचारों में गति पैदा करना था. आज जब पत्रकारिता कई बार व्यावसायिकता, टीआरपी की दौड़ और राजनीतिक दबावों से जूझ रही है, तब नारद मुनि की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा अत्यंत प्रासंगिक हो जाती है। पत्रकारों को चाहिए कि वे देवर्षि नारद की तरह निर्भीक होकर संवाद करें, जहां सत्य सर्वोपरि हो

समाज मे जब कोई चुनौती होती है तो सबसे पहले निगाह मीडिया की तरफ जाती है। सनातन संस्कृति के उतार चढ़ाव पर उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति पर कई हमले हुए है। फिर भी हमारी संस्कृति अनूठी है। बहुत विराट है। ये सिर्फ मनुष्यों की नही सभी प्राणियों की है। ये भारत की नही, पूरे विश्व की संस्कृति है। हमारी भारतीय संस्कृति का आधार वसुदेव कुटुम्बकम ही है।

शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त 04 बजकर 04 मिनट एएम से 04 बजकर 46 मिनट एएम तक रहेगा

प्रातः सन्ध्या 04 बजकर 25 एएम से 05 बजकर 28 मिनट एएम तक रहेगा

अभिजित मुहूर्त 11 बजकर 46 मिनट एएम से 12 बजकर 40 मिनट पीएम तक रहेगा

विजय मुहूर्त 02 बजकर 29 मिनट पीएम से 03 बजकर 23 मिनट पीएम तक रहेगा

गोधूलि मुहूर्त 06 बजकर 58 मिनट पीएम से 07 बजकर 19 मिनट पीएम तक रहेगा

सायाह्न सन्ध्या 06 बजकर 59 मिनट पीएम से 08 बजकर 02 मिनट पीएम तक रहेगा

अमृत काल 12 बजकर 14 एएम, मई 14 से 02 बजकर 01 मिनट एएम 14 मई तक रहेगा

निशिता मुहूर्त 11 बजकर 52 मिनट पीएम से 12 बजकर 34 मिनट एएम 14 मई तक रहेगा

पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें फिर साफ कपड़े धारण करें.

इसके बाद नारद मुनि का ध्यान करके आप व्रत का संकल्प लीजिए.

फिर आप घर के मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव करें.

अब आप अपने इष्ट देवी-देवता का ध्यान करिए.

अब आप पूजा चैकी पर कपड़ा बिछाकर उनकी मूर्ति स्थापित कर दीजिए.

इसके बाद धूप-बत्ती जलाकर विधि-विधान से पूजा करिए.

फिर नारद जी को फल और मिठाई का भोग लगाइए.

अंत में परिवार की सुख-शांति की कामना करें और प्रसाद सभी में वितरित कर दीजिए.

मिला था ये श्राप

पूरे संसार में दुखियों की चिंता कर उन्हें भक्तिमार्ग बताने वाले आदि पत्रकार नारद जी प्रजापति ब्रह्मा जी की गोद से उत्पन्न होने के कारण यूं तो उनके मानस पुत्र कहलाते हैं किंतु उनके जन्म की कथा बहुत ही रोचक है. ब्रह्मा जी ने नारद जी को सृष्टि विस्तार की आज्ञा दी तो नारद जी ने आज्ञा मानने से इनकार करते हुए साफ कहा, ह्लअमृत से भी अधिक प्रिय श्री कृष्ण की सेवा छोड़ कर कौन मूर्ख विषय रूपी विष का पान करेगाह्ल. बस इतना सुनते ही ब्रह्मा जी रोष से आग बबूला हो गए और नारद जी को श्राप दे दिया. उन्होंने श्राप दिया, ह्लतुम्हारे ज्ञान का लोप हो जाएगा.ह्ल इसी के प्रभाव से नारद जी पहले उपबर्हण नाम के गंधर्व हुए और चित्ररथ गंधर्व की 50 पुत्रियों ने उन्हें पति के रूप में वर्णन किया. रंभा अप्सरा का नृत्य देख काममोहित होने पर ब्रह्मा जी ने उन्हें शूद्र योनि में जाने का श्राप दे दिया. उपबर्हण ने तुरंत योग क्रिया से शरीर को छोड़ दिया और बाद में द्रुमिल गोप की पत्नी कलावती के पुत्र के रूप में जन्म लेकर दासी पुत्र बने. दासी पुत्र के रूप में चातुर्मास में साधुओं की सेवा करने पर संतों ने उन्हें भगवान के रूप ध्यान और नाम जप का उपदेश दिया. इसी बीच उनकी मां की मृत्यु हो गई तो वे जंगल में एक पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान करने लगे. तभी प्रभु उनके हृदय में प्रकट हुए किंतु वह झांकी बिजली की गति से गायब हो गई. दर्शन के लिए व्याकुल होने पर आकाशवाणी हुई कि अब तुम मेरे दर्शन अगले जन्म में ही कर सकोगे. इसके बाद आयु पूरी होने पर उस दासी पुत्र की मृत्यु हो गई और फिर ब्रह्मा जी के मानस पुत्र के रूप में जन्म हुआ, तब से वे वीणा बजा कर प्रभु का गुणगान कर रहे हैं, वे जब सच्चे मन से प्रभु को पुकारते हैं तो चित्त में तुरंत ही भगवान प्रकट हो जाते हैं.

पौराणिक मान्यताएं

पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक पुराने समय में रत्नाकर नाम का डाकू था। रत्नाकर लूट में मिले धन से परिवार के लोगों की जरूरतें पूरी करता था। एक दिन रत्नाकर नारद मुनि से मिला। नारद मुनि ने रत्नाकर से पूछा कि तुम ये लूटमार करते हो तो जब इसका दंड मिलने का समय आएगा तो क्या तुम्हारे घर के लोग भी उस दंड में हिस्सेदार रहेंगे या नहीं? रत्नाकर ने कहा कि मैं मेरे घर के लिए ही लूटमार करता हूं तो वे लोग भी मेरे दंड में भागीदार रहेंगे। नारद जी ने कहा कि तुम्हें एक बार अपने घर के लोगों से ये बात पूछ लेनी चाहिए। रत्नाकर नारद मुनि की बात मानकर अपने घर पहुंचा और सभी से पूछा कि क्या आप लोग मेरे दंड में मेरे साथ भागीदार बनेंगे? घर के सभी लोगों ने रत्नाकर डाकू का भागीदार बनने से मना कर दिया। सभी ने कहा कि परिवार का पालन करना तुम्हारी जिम्मेदारी है, तुम हमारा ध्यान भी रखते हो, लेकिन हम तुम्हारे दंड में भागीदार नहीं बनेंगे। परिवार के लोगों की ये बातें सुनकर रत्नाकर को समझ आ गया कि किसी के लिए भी गलत काम नहीं करना चाहिए। इसके बाद रत्नाकर ने गलत काम करना छोड़ दिए। ब्रह्माजी के श्राप के चलते उपबहर्ण को अगले जन्म में एक शूद्र दासी ने जन्म दिया। उनका नाम नंद रखा गया। नंद को बचपन से ब्राह्मणों की सेवा में लगा दिया गया था। वे तन-मन से ब्राह्मणों की सेवा में लीन हो गए।

संगीत और भक्ति के आचार्य हैं देवर्षि नारद

नारद जी देवर्षि हैं, वे वेदान्त, योग, ज्योतिष, वैद्यक, संगीत और भक्ति के मुख्य आचार्य हैं. पृथ्वी पर भक्ति का प्रचार करने का श्रेय उन्हीं को है. भक्ति देवी तथा ज्ञान वैराग्य का कष्ट दूर करते हुए वृंदावन में उन्होंने प्रतिज्ञा की, हे भक्तिदेवी! कलियुग के समान दूसरा युग नहीं है, अत कलियुग में भक्ति विषयक महोत्सवों को आगे करके जन-जन तक आपकी स्थापना न करूं तो मैं हरिदास न कहलाऊं.

एचएससी बोर्ड परीक्षा में नेत्रहीन छात्र की शानदार सफलता पर किया गया भव्य सत्कार

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बारहवीं बोर्ड परीक्षा के आनलाइन घोषित नतीजों में केएमईएस जूनियर कॉलेज भिवंडी के 12वीं कॉमर्स के छात्र मोमिन माज मोहम्मद शरीफ जो पूरी तरह से नेत्रहीन हैं जो कि एचएससी बोर्ड परीक्षा में 84.33% अंक प्राप्त कर अपने कालेज और शहर का नाम रोशन करने के साथ अपने माता-पिता के सपनों को भी साकार किया । मोमिन माज मोहम्मद शरीफ की प्रारंभिक शिक्षा हैप्पी होम फॉर ब्लाइंड स्टूडेंट्स वर्ली, मुंबई से हुई । इसके बाद उन्होंने नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड स्टूडेंट्स मुलुंड से 10वीं की परीक्षा में 86% अंक हासिल करके केएमईएस जूनियर कालेज भिवंडी के कामर्स विभाग में एडमिशन लेकर इस वर्ष एच एस सी परीक्षा में 84.33% अंक प्राप्त कर शानदार सफलता प्राप्त की है । इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन सोसायटी के कान्फ्रेंस हाल में आयोजित किया गया जिसमें विशेष रूप से प्रख्यात शिक्षाविद और मुम्बई के पूर्व विधायक प्रिन्सिपल सुहैल लोखंडवाला एवं उर्दू दैनिक हिंदुस्तान के प्रधान संपादक सरफराज आरजू आदि गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर सफल छात्र को शाल पुष्पगुच्छ , उपहार एवं ग्यारह हजार रुपए का चेक भेंट कर प्रोत्साहित किया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये । इस अवसर पर सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन , कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे , स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन दानिश मदू,सोसायटी के अन्य सदस्यगण आदि के साथ प्रिंसिपल वलिद बुबेरे तथा शिक्षक उपस्थित थे ।

टैलीप्राइम 6.0 के जरिए टैली सॉल्यूशंस ने जोड़ा बैंकिंग से सीधा रिश्ता, छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय कामकाज हुआ और भी आसान

मुंबई/पटना। देश की जानी-मानी बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर कंपनी टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपना नया संस्करण टैलीप्राइम 6.0 लॉन्च किया है। यह नया वर्जन खासतौर पर छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे जुड़ी हुई बैंकिंग सुविधाओं के जरिए अपने वित्तीय कामकाज को और आसान और सुविधाजनक बना सकें। यह नया अपडेट बैंक मिलान, बैंकिंग प्रक्रियाओं के ऑटोमेशन और वित्तीय प्रबंधन को पहले से बेहतर बनाता है। ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और जीएसटी अनुपालन जैसी डिजिटल सेवाओं में अपनी विशेषज्ञता के बाद अब टैली ने बैंकिंग से जुड़ी सुविधाएं भी जोड़ दी हैं, जिससे छोटे कारोबार और अधिक सशक्त बन सकें। यह नया संस्करण टैली की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, जिसके तहत वह व्यवसायों को उनके पूरे कामकाजी तंत्र से जोड़ने और उन्हें पहले से कहीं ज्यादा आसान तरीके से काम करने में मदद देने के लिए लगातार नए समाधान ला रही है। टैलीप्राइम की कनेक्टेड बैंकिंग सुविधा कारोबार को आसान बनाने के अपने लक्ष्य को एक कदम आगे ले जाती है। इस सुविधा के जरिए अब बैंक टैली के भीतर ही उपलब्ध हैं, जिससे खाता और बैंकिंग से जुड़ा काम एक ही जगह पर हो पाता है। एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ साझेदारी के तहत सुरक्षित लॉगिन और तात्कालिक जुड़ाव की सुविधा मिलती है। इससे कारोबारी टैली के भीतर ही अपना बैंक बैलेंस और लेनदेन की ताजा जानकारी देख सकते हैं। इससे उन्हें अपने कार्यशील पूंजी की स्थिति का सही अंदाजा मिलता है और वे वित्तीय फैसले ज्यादा सोच-समझकर ले सकते हैं।

गोदरेज विक्रोली कुचिना और शेफ अमृता रायचंद ने मातृत्व की सदाबहार बुद्धिमत्ता को समर्पित किया एक भावुक मदर्स डे अभियान: लेसन्स फ्रॉम हर किचन

मुंबई। रसोई की गर्माहट में, मसालों की महक और जानी-पहचानी खुशबुओं के बीच, एक शांत विरासत छिपी होती है – जिसे पीढ़ियों से माँएं चुपचाप इशारों और फुसफुसाई सीखों के जरिए सौंपती आई हैं। इस मदर्स डे पर, गोदरेज यम्मीज ने गोदरेज विक्रोली कुचिना (गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की क्यूलिनरी ओन्ड मीडिया प्रॉपर्टी) के सहयोग से एक मार्मिक शॉर्ट फिल्म लॉन्च की है जिसमें शेफ अमृता रायचंद नजर आ रही हैं। यह फिल्म माँ की सलाह की स्थायी शक्ति को उजागर करती है।

लेसन्स फ्रॉम हर किचन में शेफ अमृता गोदरेज यम्मीज चिकन कबाब बनाते हुए दिखाई देती हैं – लेकिन यह सिर्फ.एक रेसिपी वीडियो नहीं है। इसमें जो कुछ भी पक रहा है, वह सिर्फ.खाना नहीं है, बल्कि जीवन के लिए एक रसोई-पुस्तक है – ना तो डायरी में लिखी गई, ना ही स्कूल में सिखाई गई, बल्कि दिल से हाथ तक, तवे से थाली तक, पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाई गई। दरअसल यह एक ऐसी कुकबुक है जो दिल से हाथ तक, तवे से प्लेट तक, पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। जैसे ही कबाब सिजल करते हैं, शेफ अपनी माँ से मिली 6 कालातीत सीखें साझा करती हैं – जो आज की शोरगुल भरी दुनिया में एक शांत दिशा-सूचक हैं: सीख 1: जितनी जरूरत हो, उतना ही लो। चाहे रसोई में हो या ज़िंदगी में। जरूरत से ज्यादा चाहोगे, तो अधूरा ही लगेगा। इस भोगवादी युग में, माँ ने पर्याप्त होने की सुंदरता सिखाई। आज के डिजिटल युग में, 6७३ की स्क्रीन हमारी इच्छाओं को नियंत्रित करती है। पर माँ ने सिखाया कि संतुष्टि सब कुछ पाने में नहीं, बल्कि यह समझने में है कि जो है, वही काफी है।

चाहे रसोई में हो या जीवन में। आज की फास्ट-फॉरवर्ड दुनिया में, माँ का धैर्य एक क्रांति थी। जैसे तवा धीरे गरम होता है, वैसे ही इंसान भी समय लेकर तैयार होते हैं। यह सीख हसल कल्चर के खिलाफ एक सशक्त जवाब है: धीरे चलना आलस नहीं, समझदारी है। यह याद दिलाता है कि अच्छी चीजों में समय लगता है। यह सलाह हलचल भरी संस्कृति के लिए एक शक्तिशाली जवाब है: धीमा हमेशा आलसी नहीं होता; धीमा जानबूझकर हो सकता है। सीख 3: दयालुता भरपूर डालो बिना किसी उम्मीद के। उस तरह की नहीं जो बदले में कुछ भी उम्मीद करती है।

मरोल में बनाया गया उद्यान मुंबई के लिए मिसाल है: मंत्री आशीष शेलार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व के मरोल सागबाग में महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के नाम से शहरी उद्यान का उदघाटन महाराष्ट्र के तंत्रज्ञान व सांस्कृतिक कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार के हाथों रविवार शाम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शेलार ने कहा कि प्राकृतिक हरियाली से सराबोर यह उद्यान मुंबई के लिए एक मिसाल बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि इसे बनाने में भगीरथी प्रयास करने वाले शिवसेना उपनेता कमलेश राय का अभिनन्दन करता हूँ कि जिनके कारण मरोलवासियों को इतना सुंदर गार्डन मिल सका। जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का निधी का सराहनीय उपयोग किया है। उपनगर के पालक मंत्री शेलार ने कहा कि हमारी भी अभिलाषा जागृति हुई है कि उपनगर में इसी तरह का गार्डन और बनाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय विधायक मुरजी भाई पटेल की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा विधायक सौभाग्य से मिलता है जो हमेशा जनता के हितों के लिए मेहनत करता रहता है। पटेल और राय के ऊपर आप सब हमेशा अपना आशीर्वाद बनाये रखिये असंभव को संभव कर ये सबकी सेवा सदैव करते रहेंगे। और अभी यह साढ़े तीन एकड़ में बनाया गया है बाकी बची साढ़े तीन एकड़ में और बेहतर बनेगा मैं आप सब को भरोसा दिलाता हूं। समारोह

को संबोधित करते हुए विधायक मुरजी पटेल ने कहा कि मैं पूरे विधानसभा के विकास के लिए बचनबद्ध हूँ। दुनियाभर की तमाम सुविधाओं को अँधेरी पूर्व विधानसभा में उपलब्ध करवाने का हमारा संकल्प है। पटेल ने भी कमलेश राय के कार्यो की तारीफ की।

अंत मे कार्यक्रम के आयोजक कमलेश राय ने मंत्री आशीष शेलार और विधायक मुरजी पटेल का अभिनंदन व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सब का इसी प्रकार का सहयोग बना रहे मैं पूरे वार्ड को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने का प्रयास करूंगा। राय ने मनपा के के पूर्व की वार्ड आफिसर डॉ प्राची मैडम के सहयोग और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूँ जिनके कारण यह आज इस रूप में देखने को मिल रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह मैं हमेशा आप सबकी सेवा करता रहूंगा। इस अवसर पर सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, मनपा अधिकारी शुक्ला, भाजपा जिला सचिव आशिष मिश्रा,सुनिल मोने, सुरेंद्र दूबे, दिनेश सुतारिया, परमार समेत कई अन्य सामाजिक संस्थाओं के लोग मौजूद थे। आयोजक राय ने मंत्री आशीष शेलार, विधायक मुरजी पटेल को शाल व गुलदस्ता देकर जोरदार स्वागत किये।

संसद का विशेष सत्र की मांग पर बोले शरद पवार, संसद में इस तरह के गंभीर मुद्दे पर चर्चा संभव नहीं

मुंबई। विपक्ष द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैं संसद का विशेष सत्र बुलाने के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन यह एक संवेदनशील और गंभीर मुद्दा है और संसद में इस तरह के गंभीर मुद्दे पर चर्चा संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय हित के लिए जानकारी को गोपनीय रखना जरूरी है। विशेष सत्र बुलाने के बजाय बेहतर होगा कि हम सब एक साथ बैठें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा, अब तक हमने किसी तीसरे पक्ष को अपने घरेलू मुद्दों में हस्तक्षेप करने की इजाजत नहीं दी है। लेकिन यह पहली बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे आंतरिक मुद्दों के बारे में कुछ कहा है। एनसीपी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में पाकिस्तानी सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी पर सवाल उठाया और कहा कि यह कदम देश के सीमा पार आतंकवाद में शामिल होने से इनकार करने के विरोधाभासी है। सतारा में एक कार्यक्रम के दौरान पवार ने कहा, भारत ने कभी भी आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन नहीं किया है। जो कुछ हो रहा है वह आतंकवादी गतिविधि (पहलगाम हमला जिसमें 26 लोगों की जान चली गई) का नतीजा है।

द बॉडी शॉप का 'मोर लव फॉर लेस कैम्पेन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ग्राहकों की पसंद और पहुंच को ध्यान में रखते हुए द बॉडी शॉप ने समावेशी मूल्य नीति और दिल छू लेने वाली इंफ्लूएंसर-नेतृत्व वाली ब्रांड फिल्में पेश की है। यह नई ब्रांड फिल्में द बॉडी शॉप के मोर लव फॉर लेस कैम्पेन का विस्तार हैं, जो समावेशी कीमतों को एक भावनात्मक और प्रभावशाली अंदाज में, इंफ्लूएंसर-नेतृत्व वाले लॉन्च के जरिए प्रस्तुत करती हैं।

द बॉडी शॉप इंडिया ने अपने सबसे लोकप्रिय 12 प्रोडक?ट फॉर्मेट्स में भारत के लिए एक नई डिसरप्टिव प्राइसिंग रणनीति की घोषणा की है। नई कीमतें अब पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक और सुलभ होंगी, ताकि और भी ज्यादा ग्राहक द बॉडी शॉप की

दुनिया से जुड़ सकें। यह रणनीति भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझते हुए उन्हें बेहतर अनुभव देने और सुंदरता की दुनिया में आगे बने रहने की ब्रैंड की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

मोर लव फॉर लेस नामक यह अभियान, सभी उम्र के ग्राहकों की खुशी, उत्साह और जुड़ाव को उजागर करता है – विशेष रूप से नई और सुलभ कीमतों के प्रति। डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच के तहत तैयार इस कैम्पेन को भारतीय उपभोक्ताओं की विविधता को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक दृष्टिकोण से फिल्माया गया है। यह कैम्पेन ग्राहकों की असली खुशी को दशार्ता है – जिसमें वे ट्रेंड्स को अपनाते हैं।

अपने पसंदीदा प्रोडक्ट्स को दोबारा खोजते हैं, खुले दिल से उपहार देते हैं और अपनी सुंदरता की आदतों को नए नजरिए से अपनाते हैं। इस कहानी में अलग-अलग आयु वर्ग के किरदार शामिल हैं, जो भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं। द बॉडी शॉप एशिया साउथ की चीफ ब्रैंड ऑफिसर, सुश्री हरमीत सिंह ने कहा, यह रणनीति दूरदर्शिता पर आधारित है और इसमें हमारे मूल्य तथा ग्राहकों की असली खुशी झलकती है।

नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमर तनकीह (आर्डर 5, व काया 1 व 5)
न्यायालय श्रीमान एम.ए.सी.टी. महोदय, बाराबंकी
एम.ए.सी.नं.-297/2020
ता.पे.-24.06.2025
श्रीमती ममता आदि
बनाम
श्री चन्द्र प्रकाश चौबे आदि

चन्द्र प्रकाश चौबे पुत्र विजय नारायन चौबे निवासी गंगौली, प्लाट नं0- 3013/2/22 यादव बाड़ी पोस्ट सिरौली (डी) जिला कोल्हापुर, महाराष्ट्र (वाहन स्वामी, वाहन संख्या एम.एच. 09 सी.ए. 9543 ट्रक)

हरगाह याचीगण ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 06 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के अमालतन मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकिफ किया हो और कुछ उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके पास कोई ओर शख्स हो कि ऐसे सवालात को दे सके, हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिस पर आप आपको जवाबदेही के इस्सेदलाल करना चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा और हाजिरी आपके मसमूअ फैंसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के बतारीख माह सन 2025 ई0 को जारी किया गया।

- जज

डॉ. आशिष सुरेश मंगल को प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट प्रदान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। व्यवसाय, अकादमिक और स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में, डॉ. आशिष सुरेश मंगल को यूरोप की थीम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा बिजनेस मैनेजमेंट और फाइनेंस में मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। यह दुर्लभ और प्रतिष्ठित सम्मान उन विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने व्यापार और मानवीय प्रयासों के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. मंगल की उत्कृष्ट उद्यमशीलता यात्रा और गहन सामाजिक प्रभाव को इस सम्मान के माध्यम से मान्यता दी गई है। थीम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर ने कहा, डॉ. मंगल में हम केवल एक सफल व्यवसायी नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी नेता देखते हैं जो सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने वाले उद्यमों का निर्माण करते हैं। उनका मानवीय आदर्शों के साथ व्यावसायिक सफलता का सामंजस्य आज की दुनिया को अत्यंत आवश्यक है। डॉ. मंगल ने अपने स्वीकृति भाषण में कहा, यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि उन सभी का है जिन्होंने मेरे सफर को आकार दिया और मुझ पर विश्वास किया। सच्ची संतुष्टि व्यक्तिगत सफलता से नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक

रूप से छूने वाली लहरें बनाने से आती है। यह सम्मान इस मिशन को आगे बढ़ाने के मेरे संकल्प को और मजबूत करता है।

2009 में पेस एलएलसी की स्थापना के साथ डॉ. मंगल ने अपने उद्यमशीलता सफर की शुरूआत की। उन्होंने अपने परिवार की फार्मास्यूटिकल विरासत मेर्लिन फार्मा प्रायव्हेट लिमिटेड से आगे बढ़कर सर्जिकल मैन्युफैक्चरिंग, कृषि उत्पादों, पेट्रोकेमिकल्स और तकनीकी निवेश जैसे विविध क्षेत्रों में एक वैश्विक व्यवसाय स्थापित किया। 2014 में यूएई में पेस ग्लोबल एफजेडई के शुभारंभ के साथ उनकी दृष्टि ने और भी व्यापक विस्तार पाया, जिसमें व्यापारिक सफलता के साथ सामाजिक दायित्व को भी जोड़ा गया।

डॉ. मंगल का परोपकारी कार्य व्यक्तिगत और व्यापक दोनों स्तरों पर प्रेरित है।

अपनी पत्नी पायल मंगल की किडनी समस्याओं से प्रेरित होकर, उन्होंने स्वास्थ्य सेवा की सुलभता के लिए कार्य किया – नर्मदा किडनी फाउंडेशन के साथ साझेदारी की और डॉ. भरत वी. शाह के मार्गदर्शन में सस्ती इम्यूनोसप्रेसेंट दवाओं की शुरूआत की।

श्रीसिद्धिविनायक मंदिर में मनाई गई पुष्टिपति विनायक जयंती

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध श्रीसिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास-प्रभादेवी, मुंबई में पुष्टिपति विनायक जयंती पूरे विधि-विधान से मनाई गई। पुष्टिपति विनायक जयंती प्रतिवर्ष वैशाख पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। ज्ञात हो कि भगवान श्री गणेश के कुल तीन अवतार माने गए हैं। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास की ओर से इन तीनों अवतारों की जयंती मनाई जाती है। भगवान गणेश का पहला अवतार वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ जिसे पुष्टिपति विनायक जयंती के रूप में मनाया जाता है। दूसरा अवतार, भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है, जहां पार्थिव

गणेश की पूजा की जाती है और तीसरे अवतार की जयंती माघ शुक्ल चतुर्थी को मनाने की परंपरा है।

इस वर्ष पुष्टिपति विनायक जयंती सोमवार 12 मई को मनाई गई। इस दौरान भगवान श्री सिद्धिविनायक का विशेष पूजन-हवन ट्रस्ट की तरफ से कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के द्वारा किया गया और भगवान का नाम स्मरण करते हुए पालकी के साथ प्रदक्षिणा की गई। मंदिर में मनाई गई इस उत्सवरूपी जयंती के अवसर पर ट्रस्टी महेश मुदलियार, ट्रस्टी भास्कर शेट्टी, ट्रस्टी गोपाल दलवी और ट्रस्टी राहुल लोंढे उपस्थित थे।

ग्लूकॉन-डी का एनर्जी का गोला अभियान: बदलते मौसम में 4 शहरों के 10,000 से ज्यादा बच्चों को दे रहा है ऊर्जा

मुंबई। जब मुंबई तेज उमस, भारी बारिश और गर्म हवाओं के बीच झूल रहा है, ऐसे में भारत के सबसे भरोसेमंद ग्लूकोज-बेस्ड एनर्जी ड्रिंक ग्लूकॉन-डी ने एनर्जी का गोला अभियान शुरू किया है। इस पहल का मकसद है लखनऊ, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई के 10,000 से अधिक बच्चों को थकान से राहत देना और उनकी इम्युनिटी को सहारा देना। मेहनत करने वाले उनके रुटिन और तेजी से बदल रहे मौसम में उनकी इम्युनिटी को भी इससे ताकत मिलेगी। यह पहल भारत के पारंपरिक गोले को एक नए उपयोग के साथ पेश करता है। ग्लूकॉन-डी के पॉपुलर फ्लेवर्स-ऑरेंज, मैंगो और नींबू पानी से भरे 700 किलो से अधिक ठंडे गोले 100 से ज्यादा मैदानों और स्टेडियमों में बांटे जा रहे हैं, ताकि बाहर खेलते बच्चों की एनर्जी की भरपाई की जा सके।

एनर्जी का गोला पहल का लक्ष्य है बच्चों की समर केयर में एक कमी को दूर करना। गर्म और नम मौसम में जब बच्चे बाहर खेलते हैं, तो उनके शरीर से तेजी से ग्लूकोज की कमी हो जाती है।

उत्तरशक्ति
* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग जौनपुर में शपथ ग्रहण एवं मातृदिवस के आध्यात्मिक संगम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सेवा, समर्पण और संस्कार की त्रिवेणी पर आज कृष्णा स्कूल ऑफ नर्सिंग, जौनपुर में एक अत्यंत पावन और प्रेरणादायक आयोजन सम्पन्न हुआ। जी एन एम व ए एन एम प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्र-छात्राओं ने नर्सिंग सेवा में प्रवेश करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ जीवन भर मानवता की सेवा का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह में डॉ. मधु शारदा ने विद्यार्थियों को सेवा, करुणा और दया के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।इस विशेष अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. हरेंद्र देव सिंह ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में सेवा, अनुशासन और करुणा को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा,एक नर्स केवल एक पेशेवर नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता के लिए एक आशा की किरण होती है। अपने कार्य को केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक मिशन के रूप में स्वीकार करें।उनके शब्दों ने छात्रों में आत्मबल और समर्पण की भावना का संचार किया।कार्यक्रम को और भी भावपूर्ण बना दिया मातृदिवस के आयोजन ने, जहाँ विद्यार्थियों ने अपनी माताओं का पूजन कर उन्हें सम्मान अर्पित किया,यह एक ऐसा दृश्य था जो हर दिल को छू गया। कार्यक्रम की गरिमा में चार चांद लगाया संयुक्त निदेशक सुमन सिंह,डॉ. रॉबिन सिंह,अपूर्वा, प्राचार्या सभ्यता दुबे और समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ की प्रेरणादायक उपस्थिति ने।

गंगा किनारे बनेगा नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

वाराणसी समेत प्रदेश के 4 जिलों और सैकड़ों गांव का विकास पकड़ेगा रफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद वाराणसी से प्रयागराज के बीच बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए अब एक नया वैकल्पिक हाईवे बनाया जाएगा। मौजूदा छह लेन सड़क पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे यात्रियों को जाम का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को ग्रीनफील्ड सड़क परियोजना की तैयारी का निर्देश दिया है।160 किमी का होगा नया एक्सप्रेसवे नई सड़क वाराणसी से मीरजापुर होते हुए प्रयागराज तक गंगा नदी के किनारे बनेगी और इसकी लंबाई करीब 160 किलोमीटर होगी।इस परियोजना की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करने का काम शुरू हो चुका है।इसके तहत परियोजना की व्यवहार्यता, जोखिम, लागत और संभावित लाभों का आकलन किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी तय किया जाएगा कि सड़क को दो लेन बनाया जाए या चार लेन।एक वर्ष में पूरा हो सकता है डीपीआर, आधुनिक उपकरणों जैसे सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, जीपीएस, जीआईएस और थियोडोलाइट का उपयोग कर सड़क की एलाइनमेंट तय कर रहा है। एक वर्ष में उढफको अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। ट्रैफिक लोड, भूखंडों की प्रकृति, क्षेत्रफल और लोगों की आवाजाही की इच्छा जैसे बिंदुओं पर विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है।

मल्टीमॉडल टर्मिनल से जोड़ने की भी योजना

NHAI के पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय अधिकारी एस.के. आर्या ने बताया कि मंत्रालय ने विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और काम तेजी से चल रहा है।इस परियोजना को रामनगर स्थित मल्टीमॉडल टर्मिनल से भी जोड़ा जा सकता है।इससे सड़क और जलमार्ग दोनों के संयोजन से परिवहन व्यवस्था और मजबूत होगी।

ग्राम पंचायत सिधौना में विगत कई वर्षों से नहीं है सफाई कर्मी, कूड़ा लग रहा अंबार

-मोहम्मद आरिफ कि रिपोर्ट

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत सिधौना एक बड़ा गांव है जहां विगत कई सालों से सफाई कर्मी नहीं है सिधौना गांव और सिधौना बाजार में आए दिन कूड़ो का अंबार लगा रहता है जिससे गांव के नाले जाम हो जाते हैं। आए दिन सड़कों पर गंदगी दिखाई देती रहती है। बारिश का मौसम आने वाला है।जिससे जमा हुए कूड़े पानी में फैल कर सड़न एवं गंदगी उत्पन्न करेंगे मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाएगा गंदगी फैलने से अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होंगे लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान इस विषय पर नहीं है। उक्त ग्राम सभा सिधौना मे सिद्धेश्वरी माता जी का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर भी है जहां मंदिर के चारों तरफ प्रतिदिन साफ- सफाई की आवश्यकता पड़ती है लेकिन सफाई कर्मी नहीं रहने से सुचारू रूप से मंदिर परिसर की साफ सफाई नहीं हो पता है। इस विषय पर कई बार समाचार लिखा गया लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान अभी तक आकृष्ट नहीं हुआ जिससे इस विषय पर लोगों में रोस व्याप्त है सिधौना बाजार में स्थित शिवा शिव मंदिर के चारों तरफ बरसात के समय तो एक स्थान पर जमा हुए कूड़े-कचरे मंदिर परिसर के चारों तरफ जल में फैल जाते हैं जिससे वहां रहने वाले लोगों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि जगह-जगह पर कूडों के इकट्ठा हो जाने के कारण बरसात के पानी का रास्ता भी जाम हो जाता है। सिधौना बाजार में रोड के पास विगत कई सालों से पड़ा है कूड़े-कचरे का डिब्बा। जनहित को ध्यान में रखते हुए शासन प्रशासन का ध्यान पुनः इस विषय पर आकृष्ट कराया जा रहा है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके जिससे लोग इस समस्या से निजात पा सके।

पीयू की छात्रा श्रेया सिंह का यूपीसीएसटी समर इंटर्नशिप में चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रतिभावान छात्रा श्रेया सिंह का चयन उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (व.ढ. उ.र.ळ.) द्वारा आयोजित समर इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए हुआ है। इस उपलब्धि के तहत श्रेया को आईआईटी, आईआईएसईआर, सीएसआईआर अथवा देश के अन्य प्रतिष्ठित विज्ञान शोध संस्थानों में कार्य का अवसर प्राप्त होगा।यह चयन श्रेया की वैज्ञानिक प्रतिभा, परिश्रम और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. एस.पी. तिवारी, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने श्रेया को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्रों को भी अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देगी। यह सफलता पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संपर्क और वैचारिक माध्यम से ही कार्यकताओं का निर्माण किया जा सकता है: रमाशंकर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गंगा समग्र, काशी प्रांत की प्रांतीय बैठक अशोका वर्ल्ड स्कूल जमालपुर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गंगा समग्र के राष्ट्रीय मंत्री और वरिष्ठ प्रचारक रमाशंकर रहे। वहीं क्षेत्रीय संगठन मंत्री संजय और प्रांत संयोजक राकेश मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक कुल तीन सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमे उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्जवलन के उपरान्त बैठक को संबोधित करते हुए गंगा समग्र के राष्ट्रीय मंत्री रामाशंकर कहा कि संपर्क और वैचारिक माध्यम से ही कार्यकताओं का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के दौरान गंगा समग्र के कार्यकताओं ने विभिन्न परिस्थितियों में सराहनीय कार्य किया। रमाशंकर ने कहा कि हमारे सामने गंगा की निर्मलता बहुत बड़ा प्रमाण है, यह है की प्रदूषण मुक्त गंगा का जल लंबे समय तक लोगों के लिए निश्चित मन से उपयोगी बना रहता है। चाहे वह प्रवाहित जल हो या घर में रखा हुआ हो। उन्होंने कहा कि गंगा की निर्मलता की तरह ही देश की अन्य प्रमुख नदियों की निर्मलता और जल संस्थाओं के स्वच्छता का प्रयास हो रहा है। कहा कि गंगा समग्र राष्ट्रीय स्तर पर छोटी बड़ी नदियों तालाबों कुओं आदि के पुनर्जीवन के लिए काम कर रहा है। बैठक के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं वरिष्ठ प्रचारक श्रीमान संजय जी ने काशी प्रान्त से आये सभी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की काशी प्रान्त अपने सभी जिले अपने क्षेत्र में प्रवाहित नदियों की अविरलता और निर्मलता बनाये रखने को संकल्पित गंगा समग्र सभी जिलो को पहले सम्पर्क-युक्त फिर कार्ययुक्त और उसके बाद विकसित जिला बनाये। बैठक में कार्यकताओं को वर्षभर के कार्यों के बारे में समझाते हुए एक संकल्प-पत्र (जिला वार्षिक कार्य-योजना) के बारे में उल्लेख किया, जिसमे सभी जिलों में खण्ड/ वार्ड समितियां बनाना, नदियों के तट से 3 से 5 किलोमीटर के गाँव को गंगा ग्राम एवं बस्तियों को गंगा बस्ती बनाना, वार्षिक योजना बनाकर नदियों एवं तालाबों पर कार्य करना, गंगा-आश्रित परिवारों से सम्पर्क करना, वृक्षारोपण के स्थान एवं उसको संख्या निर्धारित करना, 04 मई से 05 जून के तक जन-जागरण मास (वैशाख शुक्ल सप्तमी से ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) में आयोजित कार्यक्रमों की सूचि एवं योजना बनाना, इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की। समापन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने काशी प्रान्त के संरक्षक के लिए श्रीपति सिंह जी के नाम की घोषणा किया तदोपरान्त प्रान्त संयोजक राकेश मिश्रा ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए जोर देते हुए नए कार्यकताओं के नाम की घोषणा किया जिसमे संजय सिंह जिला संयोजक एवं अयोध्या प्रसाद मिश्रा सह संयोजक सुल्तानपुर, अनुराग द्विवेदी सह संयोजक भदोही, राम रसद सिंह सह संयोजक चुनार, राजेश पालक प्रयाग विभाग एवं अजय पाल जी को सदस्य प्रान्त शैक्षणिक आयाम बनाया गया। बैठक में स्कूल के प्रबंधक और जिला संयोजक डा संजीव मौर्या, दिवाकर द्विवेदी, नीलम, राज नारायण, रणदीप, स्वामी आत्मानंद, अवध नारायण, जीतेन्द्र, साहब लाल , उमेश, रश्मि सिंह, भृगु नारायण पाठक, अजय सिंह, चन्द्र प्रकाश, अम्बरीष विभाग संगठन मंत्री, डॉ प्रवीण,अशोक कुमार सिंह, डा श्रवण कुमार मिश्रा,अतुल सिंह, मोती मनीष द्विवेदी, दीपक श्रीवास्तव, आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद् सह प्रांत संयोजक डा अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। उक्त आशय की जानकारी संचार आयाम प्रमुख दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

राज्य मंत्री की अध्यक्षता की गई समीक्षा बैठक

बगैर अनुमति के कोई भी नव निर्माण सड़क खोदी ना जाए

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका, डूडा, जल निगम, पर्यटन विभाग, एसटीपी, सिवरेज, लोक निर्माण विभाग, गैस पाइप लाइन एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्यमंत्री के द्वारा जल निगम विभाग के द्वारा बनाई जा रही सड़कों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि शीघ्र ही सभी सड़के रिस्टोर कर दी जाए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता जल निगम शहरी सचिन सिंह से घरो के पाइप कनेक्शन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। राज्यमंत्री के द्वारा निर्देशित किया गया कि जल निगम विभाग के द्वारा कार्य को पूर्ण कराए जाने के उपरांत ही अन्य कार्यदाई संस्था /विभाग के द्वारा सड़के बनाई जाए जिससे उन्हें दोबारा खोदना न पड़े। शकरमंडी के पास नवनिर्मित सड़क खोदे जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। इसके साथ ही राज्यमंत्री के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना अनुमति के कोई भी सड़क खोदी न जाए।इसके लिए एक योजना बनाई जाए जिससे कि बार-बार सड़के खोदे जाने की समस्या उत्पन्न न हो। राज्यमंत्री के द्वारा इंडियन ऑयल कंपनी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि उनके द्वारा जनपद में क्या कार्य कराए जाने हैं इसका एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दे। उन्होंने मियापुर, हुसैनाबाद, रामनगर भडसरा, मातापुर की सड़कों का प्रस्ताव दिए जाने के निर्देश प्रभारी अधिकारी डूडा को दिया गया।राज्यमंत्री के द्वारा निर्देश दिया गया कि कोई भी सड़क कहीं पर भी टूटी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए समुचित प्रयास किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने माँ शीतला चौकिया धाम के सौंदर्यीकरण कार्य की विस्तृत समीक्षा की और उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूर्ण होने के बाद मंदिर की प्रतिष्ठा और भी बढ़ जाएगी। इसके साथ ही पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। राज्यमंत्री के समक्ष कार्यदाई संस्था के द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। जिस पर मंत्री के द्वारा रिवाइज एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के द्वारा राज्यमंत्री को आश्वस्त कराया गया कि उनके द्वारा दिए गए सुझावो का शत-प्रतिशत पालन कराते हुए अवगत उन्हें कराया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, पर्यटन सूचना अधिकारी मीनाक्षी यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर :महात्मा बुद्ध ने दिया पंचशील का मार्ग,शांति इसी मार्ग कर: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के दिशा निर्देशन में पूरे प्रदेश के क्रम में जनपद जौनपुर में भी समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर महात्मा बुद्ध की जयंती समारोह श्रद्धा पूर्वक जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के अध्यक्षता में मनाई गई।इस अवसर पर उपस्थित पार्टी जनों ने महात्मा गौतम बुद्ध के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का पुनः संकल्प लिया। तत्पश्चात गोष्ठी आयोजित कर उनके आदर्शों एवं विचारों को याद किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि आज भी महात्मा गौतम बुद्ध की शिक्षाएं प्रासंगिक हैं। उनके विचारों पर चलकर जहां दुनिया के कई देश विकसित हो गए वहीं हमारे देश ने उनके विचारों को पूर्णता आत्मसात नहीं किया।

उन्होंने कहा कि आज देश उनके त्रिकाल और पंचशील विचार मुख्यत जीवों की हत्या से दूर रहना, चोरी से दूर रहना, यौन दुराचार से दूर रहना, मिथ्या भाषण से दूर रहना, और मन को अशांत करने वाले नशीले पदार्थों से दूर रहना, अपने जीवन में उतार ले तो सफल व्यक्ति, सफल समाज और सफल देश का निर्माण कर सकता है। हमें आज महात्मा बुद्ध की जयंती पर यही संकल्प लेना चाहिए।

आगे कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने महापुरुषों की जन्म तिथि एवं पुण्यतिथि मनाने का निर्देश दिया जिससे हमें अपने महापुरुषों एवं आराध्य, महात्माओं के विषय में पढ़ने एवं जानने का अवसर मिला।गोष्ठी को पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद ने भी संबोधित किया। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

अवैध असलहा शांति भंग के आरोप में खेतासराय पुलिस ने किया चार को गिरफ्तार

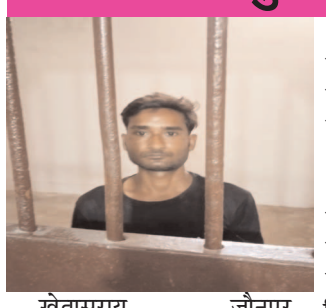

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना पुलिस ने जहां अवैध हथियार के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है वहीं शांति भंग करने के आरोप में तीन अन्य व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वार्ड नंबर 10 कोहरौटी निवासी फैय्याज पुत्र धनी को सोमवार को लेदरही नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया है। उक्त आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है, जिसमें पूर्व में भी मुकदमा पंजीकृत है। वहीं झांसेपुर ग्राम में शांति भंग की आशंका पर तीन व्यक्तियों–कामता प्रसाद (38 वर्ष), राकेश कुमार (35 वर्ष), तथा लालमन बिन्द (42 वर्ष) को शांति भंग में दबोच लिया। दोनों अभियानों में प्रभारी निरीक्षक रामाश्रय राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मो. तारिक अंसारी, शैलेन्द्र कुमार राय, कांस्टेबल अम्बिका यादव, शुभम त्यागी, अनिल कुमार यादव व विनोद कुमार प्रजापति पुलिस टीम में शामिल रहे।

कीर्तिकुंज ऑटोमोबोइल बना मारुति सुजुकी का सर्वश्रेष्ठ प्लैटिनम डीलर

बाकू में मिला प्लैटिनम डीलर का अवॉर्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मारुति सुजुकी ने अजरबैजान की राजधानी के बाकू में डीलर कांफ्रेंस का शानदार आयोजन किया। इस डीलर कांफ्रेंस में पूरे देश से मारुति सुजुकी के डीलर्स पहुंचे थे । एक बेहतरीन समारोह में डीलर्स लोगों को सम्मानित किया गया था । मारुति सुजुकी के सैकड़ो डीलर्स बीच जौनपुर के कीर्तिकुंज आटोमोबाइल्स को प्लैटिनम डीलर के रूप में सम्मानित किया गया । पूर्वांचल के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि जौनपुर के मारुति सुजुकी डीलर कीर्तिकुंज ऑटोमोबाइल्स को बाकू में सम्मानित किया गया ।इस भव्य समारोह में मारुति सुजुकी द्वारा कीर्तिकुंज ऑटोमोबाइल्स के चेयरमैन नन्हे लाल वर्मा को बाकू में सम्मानित व एमडी प्रियम वर्मा को प्लैटिनम डीलर अवार्ड व अचीवर क्लब पर सम्मानित किया गया ।इस शुभ अवसर पर कंपनी के चेयरमैन नन्हे लाल वर्मा ने अपने पूर्वांचल के सभी ग्राहक बंधुओं तथा यहां की जनता का आभार व्यक्त किया की उन्होंने कीर्तिकुंज पर अटूट विश्वास रखा जिससे यह अवार्ड मिला और आगे वे और बेहतर सेवा प्रदान करेंगे ।

युवती से छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

भाई को छुड़ाने के लिए पुलिस से भिड़ा,भाई ,दूसरा भी गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।केराकत कोतवाली क्षेत्र के परसेवां गांव में एक युवती से छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को छुड़ाने के लिए उसका भाई देवकली बाजार में पुलिस टीम से भिड़ गया। दो सिपाहियों से हाथापाई की। स्थानीय लोगों की मदद से उसे पुलिस ने बूथ में बंद किया। पुलिस ने युवक के खिलाफ छेड़खानी और आरोपी के भाई पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार पीड़िता के पिता ने तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री को एक युवक कई दिनों से परेशान कर रहा था। उसने घर में घुसकर गाली-गलौच और मारपीट की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को थाने ले जा रही थी। पुलिस देवकली बाजार पहुंची तभी आरोपी का भाई जेम्स मरवीन निकिल्स मौके पर पहुंच गया और वहां मौजूद सिपाहियों से भिड़ गया। पुलिस व लोगों के सहयोग से उसे पकड़ कर देवकली पुलिस बूथ में बंद किया गया। सूचना मिलते ही कोतवाली से अतिरिक्त पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, छेड़खानी और उत्पात मचाने जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि देवकली बाजार में पुलिस से हाथापाई हुई थी। छेड़खानी के आरोपी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जौनपुर में युवा नेता सैंकी का निधन

बीते एक वर्ष से लखनऊ के एक सड़क हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल थे

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के हुसैनाबाद मोहल्ला निवासी, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला महामंत्री ऋषिकेश श्रीवास्तव 'सैंकी' का आज दुखद निधन हो गया। वे बीते एक वर्ष से लखनऊ के एक सड़क हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल थे और तभी से उनका इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष लखनऊ में एक सड़क दुर्घटना के दौरान सैंकी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिवार और पार्टी के सहयोगियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया था, वे लंबे समय से उपचाराधीन थे। हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन आज सुबह उन्होंने अपने घर पर ही उपचार के दरम्यान अंतिम सांस ली।सैंकी की असमय मृत्यु की खबर फैलते ही जिले भर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। भाजयुमो कार्यकताओं से लेकर राजनीतिक, सामाजिक और युवा वर्ग में उनके निधन की खबर से गहरा दुःख है। वे न सिर्फ एक सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता थे, बल्कि युवाओं में लोकप्रियता के चलते सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे।उनके निधन पर बीजेपी के स्थानीय नेताओं, कार्यकताओं और शहरवासियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कई नेताओं ने कहा कि सैंकी का जाना पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए घर पर रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं।

बुद्ध पूर्णिमा पर जौनपुर में विश्व शांति के लिए हुई कामना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।प्रियदर्शी अशोक मिशन के तत्वाधान में सोमवार की शाम जौनपुर शहर में सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में दर्जनों आकर्षक झांकियां के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। भंडारी रेलवे स्टेशन से शुरू हुई शोभा यात्रा अहियापुर मोड़, सुतहटी चौराहा, कोतवाली, चहारसू चौराहा, ओलंदगंज, जोगियापुर, कलेक्ट्रेट तिराहा, अंबेडकर तिराहा, बौद्ध विहार खरका, होते हुए लाइन बाजार थाना के सामने बुद्ध मंदिर में पूजा अर्चना और विश्व शांति की कामना के साथ किया गया।शोभायात्रा में प्रियदर्शी अशोक मिशन को लंबे समय से संचालित करने वाले मौर्य, कुशवाहा के साथ ही अन्य सभी समाज के महिला, पुरुष, बच्चे, बूढ़े पंचशील का झंडा लिए आगे आगे चल रहे थे।प्रियदर्शी अशोक मिशन के तत्वाधान में निकाले गए इस जुलूस में संस्था के अध्यक्ष रमेश चंद्र मौर्य, राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय कुमार मौर्य, प्रबंधक उमेश चंद मौर्य व कार्यक्रम प्रभारी डीसी दादा पूरी व्यवस्था को आगे से लेकर पीछे तक निरंतर निगरानी करते रहे।शोभायात्रा में प्रियदर्शी अशोक मिशन की महिला प्रकोष्ठ की राधिका मौर्य के नेतृत्व में महिलाओं की पूरी टीम लगी हुई थी। कार्यक्रम के अंत में व्यवस्था प्रभारी डीसी दादा ने उपस्थित जन समुदाय और युवाओं की टीम के प्रति आभार जताते कहां की चिल्लाती धूप और गर्मी में समाज के लोग बुद्ध पूर्णिमा के इस कार्यक्रम में प्रियदर्शी अशोक मिशन से जुड़े सभी पदाधिकारी और सदस्यों मेंखास तौर पर हमारी बहन, बेटियां, बुजुर्ग जिस प्रकार से इस शोभायात्रा में नए जोश और उत्साह के साथ शामिल हुए वह बहुत ही सराहनीय है।बौद्ध बिहार में अशोक कुमार मौर्य द्वारा पंचशील दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद दूधनाथ मौर्य द्वारा उपस्थित उपासकों को बुद्ध वंदना एवं त्रिशरण व पंचशील का पाठ कराया गया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जन समुदाय को खीर दान कराते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

बुद्ध पूर्णिमा पर स्नेहा दुबे पंडित और राजन नाइक ने दिया श्रद्धांजलि

वसई रोड। वसई पश्चिम सिद्धार्थनगर, किल्ला रोड पर आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पूरे विश्व को शांति का संदेश दे रहे हैं।

उन्होंने सिद्धार्थ नगर स्थित बुद्ध विहार में गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गौतम बुद्ध ने ही करुणा, क्षमा और शांति का उपदेश दिया था। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित और साथ नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाईक, मनोज पाटिल, नंदकुमार महाजन, महेश सरवणकर, मुकुंद मुलये, राजेश गायकवाड़ तथा बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भोले की नगरी में बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्म शरणं गच्छामि... की गूंज

वैशाख पूर्णिमा पर शीतला माता मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

सुरेश गांधी

वाराणसी। आज ही के दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और आज ही के दिन उनका महापरिनिर्वाण भी हुआ था। बौद्ध धर्मावलंबियों के आस्था के केन्द्र भगवान बुद्ध की पावन उपदेश स्थली सारनाथ में भगवान बुद्ध की 2587वीं बुद्ध जयंती समारोह का भव्यता के साथ आयोजन किया. इस अवसर पर, अनुयायियों ने शांति का संदेश दिया और बुद्ध के अहिंसा, प्रेम और करुणा के संदेश का पालन किया. इस दौरान अनुयायियों ने शांति का संदेश दिया और बुद्धं शरणं गच्छामिङ्ग धम्मं शरणं गच्छामिङ्ग संघम शरणम गच्छामि का मंत्रोच्चार कर बुद्ध के दिखाये गये अहिंसा, प्रेम और करुणा का संदेश दिया। इस मौके पर विश्व के कई देशों से धर्मगुरु, लामा, श्रद्धालु और पर्यटकों ने सारनाथ मंदिर में शीश नवाया और दीप जलाएं। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा सादगी से पवित्र बोधिवृक्ष के नीचे प्रार्थना की गई। इससे पहले सदस्यों ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान बुद्ध की मूर्ति के समक्ष विशेष रूप से पूजा-अर्चना की। परिसर में धीमी सूर में बुद्धं शरण गच्छामि, धम्म शरणं गच्छामि... की गूंज सुनाई दे रही थी। बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने भगवान बुद्ध के दिखाये अहिंसा, धम्मदेसना के मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए कहा कि बुद्ध ने शांति और सद्भावना का जो संदेश दिया है उसकी वर्तमान दौर में विश्व को जरूरत है. सभी को साथ लेकर चलना चाहिए मात्र जयंती मनाने और प्रार्थना करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि धम्म के उपदेशों को अपने जीवन में उतारना होगा. उनके दिखाए मार्ग पर चलने से ही विश्व में शांति की स्थापना हो सकती है. यदि जीवन में आनंद प्राप्त करना हो तो हर परिस्थिति में मुस्कुराए. लाख दुःख हो फिर भी अपनी किस्मत को न कोसें. निरंतर संघर्षशील रहकर बुद्ध के मार्ग पर चले।

बौद्ध भिक्षु जिनानन्द ने बताया कि बुद्ध जयंती का बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए विशेष महत्व है क्योंकि आज ही के दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, उन्हें बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और आज ही के दिन उनका महापरिनिर्वाण भी हुआ था। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध के जीवनकाल की तीनों घटनाएं आज ही के दिन हुई थी। इसलिए इसे त्रिविध जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। आज की तिथि का विशेष महत्व है। आज बुद्ध पूर्णिमा को इसे बुद्ध जयंती के रूप में भी मनाया जाता हैं। हम लोगों ने आज सादगी से पूजा-पाठ किया है। पूरे विश्व में शांति हो और लोगों का जीवन सुखमय हो, इसके लिए प्रार्थना की गई है। वैदिक ग्रंथों के अनुसार भगवान बुद्ध नारायण के अवतार हैं, उन्होंने 2800 साल पहले धरती पर लोगों को अहिंसा और दया का ज्ञान दिया था। बौद्ध धर्म को मानने वाले विश्व में 50 करोड़ से अधिक लोग इस दिन को बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए बुद्ध विष्णु के नौवें अवतार हैं। इसी वजह से हिन्दुओं के लिए भी यह दिन पवित्र माना जाता है।

भगवान बुद्ध ने चार आर्यसत्य बताए हैं जिसके माध्यम से मनुष्य को जीवन जीने की प्रेरणा दी है। दुख है। दुख का कारण है। दुख का निवारण है। दुख निवारण का उपाय है। महात्मा बुद्ध ने 29 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया और संन्यास ले लिया था। उन्होंने कहा कि हिंसा के लिए प्रेरित मन को शुद्ध स्थिति में लाना ही बुद्ध है।

जाति, धर्म, भाषा और लिंग के आधार पर मनुष्य और मनुष्य के भीतर भेद करने का संदेश न भारत का हो सकता है, न बुद्ध का हो सकता है, धरती पर इस विचार के लिए जगह नहीं हो सकती। मूलगंध कुटी बौद्ध मंदिर में शाम साढ़े छह बजे महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के सयुक्त सचिव भिक्षु सुमित्ता नन्द के नेतृत्व में आधा दर्जन बौद्ध भिक्षु भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप जला कर विश्व शांति के लिए धर्म चक्र प्रवर्तन सूत्र पाठ किया। जो लगभग एक घण्टे तक चला। इस मौके पर भिक्षु मैत्री, भिक्षु चंदिमा मौजूद थे। वहीं दूसरी तरफ धम्म शिक्षण केन्द्र में भिक्षु चंदिमा के नेतृत्व में बौद्ध भिक्षुओं ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने दीप जला कर बुद्ध वंदना की गई। इस दौरान भिक्षु महाकश्यप, भिक्षु करूणा, भिक्षु चितबोधि , भिक्षु प्रज्ञा शील शामिल थे।

ट्रक से कुचलकर बच्ची की मौत

बदायूं (उत्तरशक्ति)। बदायूं के कस्बा म्याऊं में सोमवार को ट्रक से कुचलकर पांच साल की बच्ची की मौत हो गई। वह अपने चाचा की शादी में शामिल होने के लिए माता-पिता संग कपड़े खरीदने कस्बा आई थी, जहां हादसे का शिकार हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को मौके पर ही पकड़ लिया। ट्रक को कब्जे में लिया गया है। दर्दनाक हादसा देख उसके माता-पिता बदहवास हो गए।

अलापुर थाना क्षेत्र के गांव घुरेला नगला निवासी महावीर शाक्य ने बताया कि उनके चचेरे भाई गंगा सिंह की 14 मई को शादी है। उनके भाई बबलू शाक्य और भाभी अपनी बेटी पांच वर्षीय आरुषी को बरात में ले जाने के लिए कपड़े दिलाने के लिए कस्बा म्याऊं के बाजार गए थे। कपड़ा दिलाने के बाद अपने गांव वापस जाने के लिए निकले ही थे। इसी दौरान सड़क पर पैदल चल रही आरुषी को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। हालांकि उसे वहीं अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर में मृत घोषित कर दिया। बाजार में घटना होने के कारण तमाम लोग एकत्र हो गए। ट्रक चालक को भागने का मौका नहीं मिला।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए गणेश विद्या महायज्ञ का आयोजन

वाशी में आचार्य उपेंद्र के नेतृत्व में हुआ संपन्न

नवीमुंबई। भारत की वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से राष्ट्र की रक्षा हो और भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त हो, इसी उद्देश्य से ह्यअंतर योग फाउंडेशन द्वारा यह भव्य ह्यगणेश विद्या महायज्ञ कार्यक्रम 11 मई 2025 को सिडको एग्जीबिशन सेंटर, नवी मुंबई में आयोजित किया गया। आचार्य उपेंद्रजी ने कहा,वर्तमान परिस्थितियों के संकेत हमें दो वर्ष पूर्व ही मिल चुके थे, जिसके बाद हमने उपयुक्त आध्यात्मिक उपाय प्रारंभ किए और उसी के परिणामस्वरूप भारत को शक्ति प्राप्त होती दिख रही है।

आचार्यजी द्वारा रचित ह्यगणेश अथर्वशीर्ष विश्लेषण सहित और ज्ञानमोती ग्रंथ का विमोचन इस अवसर पर संपन्न हुआ, जो गणेश साहित्य में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे दिन चले इस उत्सव में:5 करोड़ गणेश बीज मंत्रों का जाप,2 लाख व्यक्तिगत साधनाएँ पूर्ण की गईं. आचार्य उपेंद्रजी और अंतरराष्ट्रीय साधकों ने भारत की रक्षा हेतु संकल्प लिया। मंत्रोपासना में 250 साधकों ने भाग लिया, हर साधक ने 2 लाख मंत्रों का जाप किया। कार्यक्रम की विशेषताएं:आचार्य उपेंद्रजी ने बताया कि दो हजार वर्ष पूर्व महर्षि अगस्त्य ने नाड़ी ग्रंथ में इन मंत्रों का उल्लेख किया था। महायज्ञ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की समस्याएं मात्र 48 दिनों में दूर होती हैं। आयोजन में शिव साधना, जप यज्ञ, अभिषेक आदि विशेष विधियां की गईं, जिससे रोग निवारण, मानसिक तनाव से राहत और ऊर्जा प्राप्त होती है। यह आयोजन आध्यात्मिक, राजनीतिक, उद्योग जगत से जुड़ी हस्तियों और हजारों भक्तों की उपस्थिति तथा विश्वभर में ऑनलाइन स्ट्रीमिंग द्वारा देखा गया।इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में रोगनिवारण शक्ति जागृत की और उन्हें मानसिक तनाव, चिंता तथा दीर्घकालिक बीमारियों से राहत प्रदान की। आचार्य उपेंद्र ने कहा इस आयोजन में भाग लेने वाले भक्त एकाग्रता, स्मरणशक्ति और निर्णय क्षमता में अद्भुत वृद्धि अनुभव करेंगे। उन्हें नकारात्मक ऊर्जा, अप्रत्याशित बाधाओं और ग्रहदोषों से दैवी सुरक्षा प्राप्त होगी। साथ ही, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होगा।

मनपा की 1962 की डेटम लाइन को झोपड़पट्टी कानून की संरक्षित संरचना अनुसार 2011 तक करने की गोपाल शेट्टी ने की मांग

- जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री और महानगरपालिका आयुक्त को लिखा पत्र

बोरीवली, मुंबई। उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने महाराष्ट्र के

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगराणी को पत्र लिखकर महानगरपालिका की १९६२ की 'डेटम लाइन' को बदलकर झोपड़पट्टी कानून की संरक्षित संरचना अनुसार 'डेटम लाइन' २०११ करने की मांग की है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में लिखा है कि मुंबई महानगरपालिका अधिनियम के अनुसार (टटउ एक्ट) संरक्षित संरचना के लिए विचार की जाने वाली डेटम लाइन '१९६२' है, जबकि झोपड़पट्टी कानून के अनुसार संरक्षित संरचना के लिए डेटम लाइन '२०११' है, इन दोनों डेटम लाइनों में विरोधाभास है, जो बात स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि कानून में असमान व्यवहार किया जा रहा है। इसके कारण भारतीय राज्य घटना के अनुच्छेद १४ के अनुसार दिए गए मूलभूत अधिकार (किसी भी भेदभाव के बिना सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समान व्यवहार और संरक्षण प्रदान किया जाएगा) का सीधे उल्लंघन होता है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में आगे जिक्र किया है कि सरकार ने १.१.२०११ तक के झोपड़ी धारकों के लिए पुनर्वसन निश्चित करने के बारे में नीति बनाई और उन्हें मकान मिलने की समय सीमा तय की, जिसके लिए सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए। लेकिन जब तक पुनर्वसन नहीं होता, तब तक निजी झोपड़ीधारकों को परेशान करने और वसूली के लिए कुछ शिकायतकताओं द्वारा झूठी शिकायतें की जाती हैं। ऐसे मामलों में महानगरपालिका द्वारा नागरिकों को नोटिस भेज दे जाती है और उनसे १९६२ का प्रमाण मांगा जाता है। यदि वे यह प्रमाण प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं, तो उनके घरों पर तोड़क कार्रवाई की नोटिस दे दी जाती है। परिणामस्वरूप, ऐसे नागरिकों (निजी जमीन धारक या निजी झोपड़ी भू धारक) को न्यायालय की शरण लेनी पड़ती है और इसके लिए उन्हें बड़े पैमाने पर मानसिक संत्रास झेलने के साथ-साथ आर्थिक खर्च भी वहन करना पड़ता है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र के अंत में लिखा है कि उपरोक्त कठिनाइयों को देखते हुए जनहित में मेरी आपसे विनम्र अपील है कि आगामी महानगरपालिका चुनाव से पहले एमएमसी एक्ट के तहत वर्तमान में अस्तित्व में ी७२३ल्लें 1962 की 'डेटम लाइन' को बदलकर झोपड़पट्टी कानून के अनुसार 01.01.2011 तक बढ़ाया जाए ताकि मुंबई के लाखों नागरिकों को एक बड़ा सुकून मिले और उनकी समस्याएं दूर होने में मदद मिले।

जौनपुर मेडिकल कॉलेज में वर्ल्ड स्टाफ नर्स डे मनाया गया

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राजकीय मेडिकल कॉलेज जौनपुर में बीते दिनो हो रहे धरना प्रदर्शन के उपरांत सफलता प्राप्त होने पर आज सोमवार को आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा वर्ल्ड स्टाफ नर्स डे मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसमें गरिमा राय प्रियंका पटेल श्वेता राय पुष्पा देवी स्वाति अंजलि जागृति आदि उपस्थित रही। साथ ही अन्य उपस्थित मेल स्टाफ नर्स के पूरे सहयोग के द्वारा वर्ल्ड स्टाफ नर्स डे धूम-धाम से मनाया गया।

वसई किला पर मनाया विजयोत्सव

वसई।12 मई 1739 को नरवीर चिमाजी अप्पा ने अपनी बहादुरी, बुद्धिमत्ता और अथक पराक्रम से पुर्तगालियों से वसई किले पर कब्जा कर लिया था। जो मराठी साम्राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था। यह विजय 'स्वराज्य की समुद्री सीमा' के रूप में मानी जाती है। इस महान घटना को 287 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, वसई विरार शहर महानगरपालिका ने विभिन्न आयोजनों का आयोजन किया। मशाल जुलूस, भव्य जुलूस और शोभायात्रा के माध्यम से नरवीर चिमाजी अप्पा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर, बौद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए गए। इस आयोजन में पालघर जिला कलेक्टर डॉ. इंदुरानी जाखड़, विधायक राजन नाइक, आ स्नेहताई दुबे पंडित, वसई विरार शहर नगर निगम के अधिकारी, भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील और वसई के अन्य प्रमुख नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर वसई के नागरिकों और कार्यकताओं की बड़ी संख्या भी उपस्थित थी। यह आयोजन नरवीर चिमाजी अप्पा के योगदान को याद करने और उनकी महानता को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था, जो मराठी अस्मिता का प्रतीक हैं।

पाकिस्तान पर कहर बनकर टूटे, दुश्मन को संभलने का नहीं मिला मौका : एयर मार्शल भारती

सुरेश गांधी

नयी दिल्ली। चार दिन की भीषण गोलीबारी और युद्ध के बाद शनिवार को भारत-पाकिस्तान में सीजफायर हो गया। लेकिन यह अस्थायी समाधान है। भारत अब स्पष्ट कर चुका है कि वह किसी भी स्थिति के लिए तैयार है, और तकनीकी दृष्टि से भी पूरी तरह सक्षम है। हालांकि, इस कम समय के युद्ध में हमने अपने हथियारों की धमक से पूरी दुनिया को अवगत करा दिया है। या यूं कहे भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर स्वदेशी हाथियारों का इस्तेमाल किया और उसके देशभरा में सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया। इसकी तस्दीक सेटेलाइट इमेज से हो गई है। खुद पाकिस्तान ने भी माना है कि उसके मिलिट्री एयरबेस को भारत ने भारी नुकसान पहुंचाया है। सोमवार को तीनों सेना प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फिर कहा कि हम पूरी तरह से तैयार हैं और जब और जहां चाहेंगे, पाकिस्तान पर हमला कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि भारत ने किन-किन स्वदेशी हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया।

भय बिनु होय न प्रीति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि वर्तमान भारत की नीति का प्रतिबिंब बन गया है। यह वह भारत है जो धैर्य रखता है, परंतु दबता नहीं। यह वह भारत है जो शांति चाहता है, लेकिन कायरता नहीं सहता। एयर मार्शल भारती और भारतीय सेना ने यह दिखा दिया है कि संस्कृति, सैन्य शक्ति और रणनीति जब एकसूत्र में जुड़ते हैं, तो वे केवल युद्ध नहीं जीतते, सम्मान और आत्मविश्वास भी अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत की आत्मरक्षा नीति में एक निर्णायक मोड़ ला दिया। इसके जवाब में लॉन्च किया गया ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि यह एक स्पष्ट संदेश था कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया

नहीं देगा, बल्कि निर्णायक रूप से निवारण करेगा। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे उल्लेखनीय था एयर मार्शल ए.के. भारती द्वारा रामचरित मानस के दोहे भय बिनु होय न प्रीति का संदर्भ देना। यह न केवल एक सांस्कृतिक प्रतीक था, बल्कि एक कूटनीतिक और मनोवैज्ञानिक संदेश भी था कि शांति बनाए रखने के लिए कभी-कभी कठोरता आवश्यक होती है।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 11 सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बनाया, जिनमें एयर डिफेंस रडार, एयरबेस और ड्रोन स्टेशनों को निशाना बनाया गया।

इससे स्पष्ट है कि यह एक रणनीतिक रूप से सोच-समझकर किया गया हमला था। किराना हिल्स जैसे संवेदनशील परमाणु ठिकाने पर हमले की अफवाहों को एयर मार्शल भारती ने विनम्र पर व्यंग्यात्मक लहजे में खारिज कर दिया, कहा यह एक ओर पाकिस्तान को राहत का संकेत था, तो दूसरी ओर यह इशारा भी कि भारत की क्षमताएं ऐसी जगहों तक भी पहुंचने में सक्षम हैं।

भारत ने इस पूरे ऑपरेशन को केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारधारा और सांस्कृतिक चेतना से भी संचालित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले दिखाया गया वीडियो, जिसमें रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियाँ जब नाश मनुज पर छाता है...चल रही थीं, एक भावनात्मक हथियार के रूप में कार्य कर रहा था। यह एक संकेत था कि भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है, न कि किसी देश या धर्म के खिलाफ। भारतीय काव्य, विशेषकर वीर रस, केवल साहित्य नहीं है, यह भारत की आत्मा है, जो संकट के समय प्रेरणा देती है।

भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ब्रह्मोस का इस्तेमाल कर पाकिस्तानी मिलट्री एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचाया है।

स्वदेशी रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल रक्षा प्रणाली ने भारत को इस युद्ध में पाकिस्तानी ड्रोन हमलों का नकाम कर अपनी शक्ति को प्रदर्शित किया है।

8 और 9 मई की रात के दौरान, भारतीय सेना ने पश्चिमी सीमा और जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान द्वारा कई ड्रोन घुसपैठों को आकाश मिसाइल प्रणाली ने नकाम किया और सेना को कोई नुकसान नहीं होने दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में एंटी-ड्रोन सिस्टम डी-4 का बहुत सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ठम्म्) द्वारा निर्मित, यह एक ड्रोन डिटेक्ट, डिटर, डिस्ट्रॉय सिस्टम है। यह उड़ते हुए ड्रोन (सूक्ष्म/छोटे यूएवी) की वास्तविक समय की खोज, पता लगाने, ट्रैकिंग और न्यूट्रलाइजेशन (सॉफ्ट/हार्ड किल) करने में सक्षम है। इसके जैमिंग फंक्शन में ड्रोन को गुमराह करने के लिए स्पूफिंग और रेडियो फ्रीक्वेंसी को जाम करना शामिल है।

भारत में बना पहला स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन नागास्त्र-1 ने पाकिस्तानी हमले को नकाम करने में सेना का जबरदस्त साथ दिया। नागपुर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित, नागास्त्र-1 एक मानव-पोर्टेबल हथियारबंद ड्रोन सिस्टम है। यह दुश्मन के खतरों को बेअसर करने के लिए बना है। यह आत्मघाती ड्रोन एकल-उपयोग वाले हथियार हैं जो अपने लक्ष्यों पर उड़ते हैं और टारगेट को देख कर विस्फोट करते हैं। स्काईस्ट्राइकर एक और आत्मघाती ड्रोन है जिसे भारत ने इजरायल के साथ मिलकर बनाया है। स्काईस्ट्राइकर लंबी दूरी के सटीक हमला करने में सक्षम है। यह दुश्मन को चुपचाप, सटीक और तेजी से खत्म करने की क्षमता रखता है। 5 से 10 किलोग्राम विस्फोटक लेकर 2 घंटे तक उड़ सकता है।

भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया है। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ब्रह्मोस का इस्तेमाल कर पाकिस्तानी मिलट्री एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचाया है। आपको बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत की सबसे घातक और प्रतिष्ठित डंकम पद प्दकपं मिसाइलों में से एक है, जिसे भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों इस्तेमाल करती हैं। इस मिसाइल की मारक क्षमता 290 से 500$ किलोमीटर (नई रेंज 800 किमी तक विकसित हो रही है) है। गति की बात करें तो 2.8-3.0 डंबी (ध्वनि से लगभग 3 गुना तेज) है। यह दुश्मन की रडार से बच कर मिनटों में लक्ष्य को टारगेट करता है। एक बार निशाना साधा तो टालना नामुमकिन होता है।

मिसेज ब्यूटी मॉम्स ऑफ बिहार सीजन-5 का ग्रैंड फिनाले संपन्न

पटना (उत्तरशक्ति)। रैंप पर जब मम्मियों ने खूबसूरत परिधानों में सज-धजकर मॉडलिंग करनी शुरू की तो हर कोई देखता रह गया। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था की कल तक घर का काम सँभालने वाली महिलाएं आज रैंप पर इतनी बढ़िया कैट वॉक कर पूरे आत्मविश्वास से निर्यायकों के सवालों का जवाब दे सकेंगी। मौका था न्यू बूगी वूगी अकेडमी द्वारा प्रेमचंद रंगशाला में आयोजित मिसेज ब्यूटी मॉम्स ऑफ बिहार सीजन-5 का ग्रैंड फिनाले का। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गयी। इसके पश्चात अकेडमी के बच्चों द्वारा गणेश वंदना पर नृत्य की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। आगंतुक अतिथियों को अकेडमी द्वारा बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। फिनाले में बिहार के विभिन्न जिलों से चुनी गई 16 महिलाओं ने निर्णायकों के सामने अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागी ने एक

दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हुए अपने हुनर का लोहा मनवाया। निर्णायक के रूप में मिसेज इंडिया मोनिका मणि, डॉ. रोहिणी झा, मिसेज इंडिया यूनिवर्स अनिता सिंह व दीपिका साहनी ने प्रतिभागियों का चयन 3 राउंड के प्रदर्शन के आधार पर किया जिसमें इंट्रो, एथनिक व वेस्टर्न राउंड शामिल था। मौके पर उपस्थित कार्यक्रम संयोजक व न्यू बूगी वूगी अकेडमी के निदेशक अनिल राज ने बताया कि इस कार्यक्रम में पटना, मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर सहित बिहार के अन्य जिलों की महिलाओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य फैशन के क्षेत्र में रुचि रखने वाली महिलाओं को उनके मुकाम तक पहुँचाना है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बिहार की महिलाओं को कला के क्षेत्र में आगे लाना है। शादी के बाद घर के कामकाज में उलझ कर रह जाने वाली महिलाओं के अधूरे सपने को पूरा करने का है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता उन महिलाओं को सशक्त मंच प्रदान करता है जिससे वो अपने सपने को पूरा कर सकती हैं। फिनाले के अंत में प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।